आषाढ़ कृष्ण पक्ष -10, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 11 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

01 जुलाई 2024 सोमवार

आज का मौसम

27 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

लोकसभा व राज्यसभा में फिर हुआ भारी हंगामा, मप्र विधानसभा में भी कांग्रेस ने दिखाई गोलबंदी

नर्सिंग घोटाला : विपक्ष ने दिखाए तेवर, एप्रन पहनकर पहुंचे विधायक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र विधानसभा के आज से शुरू हुए बजट सत्र में प्रतिपक्ष कांग्रेस ने बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले पर जमकर हंगामा किया। जिसके चलते सदन की कार्रवाई भोजन अवकाश तक स्थगित करना पड़ी। पहले दिन विपक्ष ने कथित नर्सिंग घोटाले पर अपने तेवरों का इजहार कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस विधायक सफेद एप्रिन पहनकर पहुंचे और नर्सिंग घोटाले को लेकर नारेबाजी की। इससे पहले सत्र के पहले दिन सदन में कार्यसूची के अनुरूप दिवंगत विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद प्रश्नकाल के लिए शेष निर्धारित समय में एक प्रश्न पर पूरक सवाल जवाब हुए।

प्रश्नकाल की समाप्ति के बाद विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने नर्सिंग घोटाले को उठाते हुए इस पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा कराने की मांग की। इसका समर्थन कांग्रेस के अन्य सदस्यों ने किया। वहीं संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह मामला न्यायिक प्रक्रिया में है, इसलिए इस पर चर्चा नहीं हो सकती है। सिंघार ने कहा कि वे जांच के अधीन विषयों से इतर विषयों पर चर्चा करना चाहते हैं। इसी बात को लेकर सत्तारूढ़ दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों के बीच तर्क और बहस होने लगी। अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कांग्रेस सदस्यों की कहा कि सदन में अभी और भी मौके आएंगे और सदस्य उस अवसर पर चर्चा कर सकते हैं। लेकिन कांग्रेस के सदस्य स्थगन प्रस्ताव के तहत इस मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर अड़ गए। इस दौरान कांग्रेस सदस्यों ने एक मंत्री का नाम भी लिया और अनेक आरोप लगाए। सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इस तरह व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाए जा सकते हैं। इसी के चलते सदन शोरगुल में डूब गया और अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दी।

विस अध्यक्ष भी खुद भरेंगे अपना आयकर

विस अध्यक्ष भी खुद आयकर भरेंगेष मुख्यमंत्री के मंत्रियों के आयकर करने के निर्णय का विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने स्वागत किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह भी अपना आयकर स्वयं भरेंगे।वहीं तकनीकी शिक्षा कौशल विकास में रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश विद्यालय, 2024 और मध्यप्रदेश नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश 2024 पटल पर रखा। कांग्रेस के बाला बच्चन के सवाल पर कौशल विकास राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि तीन साल में मध्य प्रदेश में 2,32,295 बेरोजगारों को निजी क्षेत्र में रोजगार मिला है।

नीट मामला : संसद में कांग्रेस का रुख बरकरार, वॉकआउट

नई दिल्ली , एजेंसी। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र के छठवें दिन आज फिर राष्ट्रपति के अभिभाषर पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने हंगामा किया। विपक्ष की मांग थी कि नीट परीक्षा मुद्दे पर पूरे एक दिन चर्चा की जाए। स्पीकर ओम बिरला ने यह बात नहीं मानी, तो विपक्ष ने सदन से वाकआउट कर दिया। दरअसल पिछले कार्यदिवस पर भी लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट परीक्षा का मुद्दा उठाते हुए चर्चा की मांग की थी। विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही नहीं चल सकी थी। आज भी केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा कर लेने दीजिए, फिर सभी अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। इस पर राहुल ने कहा कि वे इस सुझाव पर सहमत है लेकिन आसंदी ने कहा कि यह सिर्फ सुझाव है और अंतिम निर्णय आसंदी द्वारा ही लिया जाएगा। राहुल ने कहा कि हम चाहते थे कि एक दिन नीट पर चर्चा हो। दो करोड़ युवाओं को नुकसान हुआ है, पिछले सात साल में 70 बार पर्चा लीक हुआ है। बहुत जरूरी मुद्दा है इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि आसन ने व्यवस्था दे दी है. आप अभिभाषण पर चर्चा में बोलिएगा। बाद में फिर विपक्ष अपनी मांग पर अड़ा रहा और सदन से वाकआउट कर लिया। उधर लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच स्पीकर ओम बिरला ने कहा, 'सदन के बाहर कुछ सांसद आरोप लगाते हैं कि स्पीकर माइक बंद कर देते हैं। माइक का नियंत्रण कुर्सी पर बैठने वाले के हाथ में नहीं है।'

इससे पहले आज संसद की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व विपक्ष के नेताओं ने संसद परिसर के बाहर भी प्रदर्शन किया। विपक्ष का आरोप था कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही हैं। उधर कांग्रेस ने आज 1 जुलाई से लागू हुए तीन नए कानूनों का विरोध करना शुरू कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे 'बुलडोजर न्याय' करार दिया है। सदन की कार्यवाही रोककर इस पर चर्चा की मांग की गई है। खरगे ने राज्यसभा के सभापति से अपील की कि संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी, बाबा साहेब आंबेडकर और अन्य नेताओं की प्रतिमाएं उनके मूल स्थानों पर पुनर्स्थापित कर दी जाएं। वहीं दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाजन ने कहा कि कानूनों में कोई खामी नहीं थी। खामियां उनके कार्यान्वयन में हैं, जांच एजेंसियों में हैं, पुलिस उन कानूनों पर कार्रवाई नहीं करती है। लगता है कि नए कानूनों से आने वाले कई वर्षों तक बहुत बड़ी उलझन रहेगी। एक सामान्य नागरिक ने कुछ कानूनों को बड़ी मुश्किल से समझा था, अब नई धाराओं के तहत उसे अपना केस दायर करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। मुझे लगता है कि इससे पुलिस की मनमानी को बढ़ावा मिलेगा।

चार दिन भारी बारिश की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी।

दक्षिण पश्चिम मानसून लगभग पूरे देश में पहुंच गया है। देश के अधिकांश क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है। वहीं, बिजली गिरने से यूपी में पांच लोगों की मौत हुई है और सात लोग घायल हुए हैं। असम में ब्रह्मपुत्र और सहायक नदियों में उफान आने से बाढ़ के हालात बिगड़ गए। दो लोगों की जान भी चली गई। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत 19 राज्यों में तीन-चार दिन भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अरुणाचल प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इधर मप्र में भी मानसून झूमकर बरस रहा है और लगभग पूरे मप्र में सक्रिय है। भोपाल इंदौर जबलपुर आदि संभागों में अगले तीन दिन बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार,दो से तीन दिन में पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के शेष भागों में पहुंचते ही मानसून पूरे देश को कवर कर लेगा। विभाग ने दिल्ली में सोमवार और मंगलवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

केदारनाथ में हिमस्खलन: कल उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में भीषण हिमस्खलन से लोगों की सांसें थम गईं हैं। हालांकि राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी नंदनसिंह राजवार ने बताया कि धूप के कारण बर्फ दरकने की आशंका है। पूरा इलाका सुरक्षित है।

झरने में डूबने वाले परिवार की तलाश जारी

मुंबई । महाराष्ट्र में मुंबई के पास लोनावला में छुट्टियां मनाने पहुंचे एक ही परिवार के सात सदस्य झरने के तेज बहाव में बह गए। यह झरना भूसी डैम के पीछे एक पहाड़ी पर बना हुआ था। उनमें से केवल दो सदस्य ही तैरकर वापस आने में कामयाब रहे। तीन के शव बरामद कर लिए गए थे, लेकिन अन्य दो अन्य सदस्यों की तलाश अगले दिन यानी की सोमवार को भी जारी है। बताया जाता है कि कल सुबह से ही वहां भारी बारिश हो रही थी, जिस वजह से डैम में पानी भर गया था। इस कारण झरने में पानी का प्रवाह बढ़ गया। इस घटना का वीडियो कैमरे में कैद हो गया, जिसमें परिवार के सदस्यों को चट्टान के सहारे एक दूसरे को पकडकर खड़े होते हुए देखा गया।

रोजमर्रा से जुड़े पांच नए बदलाव लागू

पहली तारीख: कमर्शियल सिलेंडर सस्ता, मोबाइल पर बातचीत महंगी

नई दिल्ली , एजेंसी।

महीने की पहली तारीख को होने वाले नियमों में बदलाव आदि का असर आज से शुरू हो गया है। पहली तारीख से फिर एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव हुआ है और तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में लगभग तीस रूपये की कटौती की है। लेकिन घरेलू गैस सिलेंडर के दाम यथावत रखे गये हैं।

सिम पोर्ट रूल: आज से सिम कार्ड से संबंधित नियम बदल गया है। सिम स्वैप फ्रॉड से बचने के लिए इस नियम को लागू किया गया है. अब सिम कार्ड चोरी या डैमेज होने की स्थिति में नयी सिम के लिये सात दिन इंतजार करना होगा। क्योंकि इसका लॉकिंग पीरियड बढ़ा दिया गया है

मोबाइल पर बात महंगी: रिलायंस जियो से लेकर एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया ने टैरिफ प्लान महंगे कर दिए हैं. ये नए प्लान 3-4 जुलाई से लागू होने वाले हैं।

12 दिन बैंक बंद :जुलाई महीने में 12 दिन बैंक बंद रहेंगे। ये अलग-अलग राज्यों में वहां होने वाले आयोजनों के आधार पर अलग-अलग हो सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट: नए रेग्युलेशन के मुताबिक, एक जुलाई से सभी क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम यानी BBPS के जरिए किए जाने चाहिए।

नीट ने रि-एग्जाम का रिजल्ट जारी किया

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट री एग्जाम का रिजल्ट जारी कर दिया है। ये परीक्षा पेपर लीक विवाद के बाद कराई गई थी। एनटीए ने 23 जून को 1563 छात्रों के लिए दोबारा से परीक्षा आयोजित की थी लेकिन यह परीक्षा 813 छात्रों ने ही दी थी।यह वे छात्र हैं जिन्हें ग्रेस मार्क्स मिलने पर बवाल खड़ा हो गया था और आज तक इसकी गूंज है। इस परीक्षा में शामिल हुए कैंडिडेट्स NEET UG परीक्षा पोर्टल,पर अपने अप्लीकेशन नंबर और डेट ऑफ बर्थ की डिटेल के माध्यम से लॉग-इन करके अपना परिणाम चेक कर सकते हैं।

रांची की बड़ी होटलों में बड़ा सेक्स रैकेट मिला

रांची एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। आधी रात डीएसपी के नेतृत्व में मारी गई रेड में रॉयल रेसीडेंसी होटल से आधा दर्जन से ज्यादा लड़कियों को डिटेन किया गया है। विशेष अभियान चलाकर पुलिस ने 9 लड़कियों को डिटेन किया है।ज्यादातर लड़कियां बंगाल की बताई जा रही हैं. पुलिस को इनके मोबाइल से कैश के लेने-देने को जानकारी मिली है। वहीं, पूछताछ में लडकियां गातार बयान बदलती नजर आई।

मानव तस्करी में नौसेना अधिकारी सहित 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली । दक्षिण कोरिया में जाली दस्तावेजों के जरिए मानव तस्कीर के आरोप में भारतीय नौसेना के अधिकारी सहित चार लोगों को मुंबई क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय नौसेना का लेफ्टिनेंट कमांडर रैंक का अधिकारी भी इसमें संलिप्त था। लेफ्टिनेंट कमांडर विपिन कुमार डागर को कोलाबा से हिरासत में लिया गया था। जबकि अन्य आरोपियों की पहचान सब-लेफ्टिनेंट ब्रह्म ज्योति शर्मा, सिमरन तेजी, रवि कुमार और दीपक डोगरा के रूप में हुई है।

मेट्रो एंकर

यूएन की चौंकाने वाली अध्ययन रिपोर्ट

बचपन में हो जाती है 20 करोड़ लड़कियों की शादी लैंगिक समानता हासिल करने में लगेंगे 176 साल!

नई दिल्ली , एजेंसी।

बाल विवाह की समस्या पर हाल में संयुक्त राष्ट्र ने चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में 20 करोड़ से ज़्यादा महिलाओं की शादी बचपन में हो गई थी। वैश्विक अनुमान के अनुसार 6.4 करोड़ लड़कियों और महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई, इनमें से एक तिहाई मामले अकेले भारत में हुए हैं। इससे लैंगिक समानता का लक्ष्य भी पिछड़ रहा है। मौजूदा गति से, पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रबंधन पदों में समानता हासिल करने में 176 साल लगेंगे।

दरअसल,सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पांच में से एक लडकी की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है, जबकि 25 वर्ष पहले यह संख्या चार में से एक थी। इस सुधार ने पिछली तिमाही सदी में लगभग 68 करोड़ बाल विवाहों को रोका है। बावजूद, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया लैंगिक समानता के मामले में पीछे रह गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और कई महिलाओं के लिए उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के मामले में स्वायत्तता की कमी जैसे मुद्दे अभी भी बने हुए हैं।

'विफलता विकास को कमजोर कर रही'

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक जीवन स्थितियों में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 169 लक्ष्यों में से केवल 17 फीसद ही 2030 की समयसीमा तक पूरे होने की राह पर हैं। 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए इन लक्ष्यों का उद्देश्य गरीबी को समाप्त करने से लेकर लैंगिक समानता प्राप्त करने तक कई तरह के मुद्दों को हल करना है। हालांकि, इनमें से लगभग आधे लक्ष्य न्यूनतम या मध्यम प्रगति दिखाते हैं, और एक तिहाई से अधिक रुके हुए हैं या पीछे जा रहे हैं।

चिंता : नशे की लत से जूझ रहे 29.20 करोड़ लोग

दूसरी तरफ नशाखोरी दुनिया की सबसे बड़ी समस्या के तौर पर उभर रहा है। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि नशे की लत छुड़ाने के लिए चिकित्सा सेवाएं काफी सीमित हैं। आंकड़ों पर नजर डाले तो दुनियाभर में 11 में से सिर्फ एक नशाखोर को ही समय पर उपचार मिल रहा है। इस मामले में भारत में भी स्थिति गंभीर है। यहां साल 2017 में केवल 15,101 पीड़ितों को ही इलाज मिला जबकि नशाखोरों की संख्या लाखों है। इसके अलावा नशे की दवाओं के कारोबार करने वाले करीब चार लाख लोग जेलों में है, जिनमें से अधिकतर मामले न्यायालय में लंबित हैं। रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक नशीली दवाओं के उपयोग में चिंताजनक वृद्धि के अलावा शक्तिशाली नए सिंथेटिक ओपिओइड का उदय भी हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुतोबिक वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट 2022 में नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या 29.20 करोड़ तक पहुंच गई है,

सड़क के बीच सौन्दर्यीकरण के लिए लगे फव्वारे बने शोपीस

भोपाल। शहर में सौन्दर्यीकरण के लिए कहने को कई जगह काम कराए गए। जो काम कराए गए वह शोपीस बनकर रह गए। शहर खूबसूरत दिखे इसके लिए लिए सड़क के बीच हरियाली की गई तो दूसरी तरफ कई फव्वारे लगाए गए थे। यहां निर्माण कार्य करा तो दिया गया लेकिन बाद में इसकी देखरेख के लिए कोई इंतजाम नहीं हुए। हालात ये हैं कि अब यहां पर लगा आधे से ज्यादा सामान खराब हो गया। शहर में फव्वारे लगाए गए थे। जो अब खराब हो चुके हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगाई रिपोर्ट, इनमें भोपाल से लेकर उज्जैन व बुधनी तक स्कूल शामिल

सांसद-विधायक के गोद लिए स्कूलों की सुध लेगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब मप्र में सांसद और विधायकों द्वारा गोद लिए सरकारी स्कूलों में सरकार प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य करने जा रही है। इसके तहत स्कूलों में निर्माण कार्य कराए जाएंगे। उनके लिए शासन की ओर से 15 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि से उनके द्वारा प्रस्तावित स्कूल भवन का मरम्मत, बाउंड्रीवाल, जीर्ण-शीर्ण स्कूल भवन के साथ पर नवीन भवन का निर्माण, अतिरिक्त कक्ष, शौचालय बनाने जैसे काम होंगे। शासन ने स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि इन निर्माण कार्यों को जल्द पूरा कराया जाए। इन स्कूलों में भोपाल के धामनिया गांव के तीन स्कूल शमिल हैं जिन्हें पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ने गोद लिया था।

तेजी से शुरू होंगे सुधार कार्य

दरअसल मुख्यमंत्री कार्यालय ने जनप्रतिनिधियों द्वारा गोद लिए स्कूलों को प्राथमिकता में लेते हुए काम करवाने के लिए कहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसके लिए सभी जिले के कलेक्टर को पत्र लिखकर इन स्कूलों का परीक्षण कराकर करके प्रतिवेदन मांगा है, ताकि कार्यों की स्वीकृति दिलाई जा सके। इसमें सांसदों व विधायकों के गोद लिए गए शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल हैं। ज्ञात हो कि इस सत्र में भी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिकारियों को भी स्कूल गोद लेने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री द्वारा दक्षिण उज्जैन विधानसभा क्षेत्र के छह सरकारी स्कूलों में निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इनमें बाउंड्रीवाल, अतिरिक्त कक्ष सहित अन्य निर्माण कार्य किए जाते हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के सात सरकारी स्कूलों का नाम भी सूची में शामिल हैं। होशंगाबाद विधानसभा क्षेत्र से सीताशरन शर्मा के गोद लिए गए चार स्कूलों में निर्माण कार्य किया जाना है। पूर्व सांसद भोपाल प्रज्ञासिंह ठाकुर द्वारा गोद लिए गए भोपाल जिले के ग्राम पंचायत खौरी में धामनिया ग्राम में तीन स्कूलों का निर्माण किया जाना है। यहं पर शौचालय निर्माण, किचन शेड और मरम्मत कार्य किया जाना है।

अयोध्या 22 जनवरी- पुस्तक नहीं, एक दस्तावेज है

भोपाल। आकाशवाणी के समाचार संपादक संजीव शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक अयोध्या 22 जनवरी को विद्वानों ने एक दस्तावेज बताया है। रीडर्स क्लब के बैनर तले कार्यक्रम इस पुस्तक पर चर्चा की गई। पुस्तक पर चर्चा में बुद्धिजीवियों का मानना था कि, यह पुस्तक भविष्य के लिए एक दस्तावेज है । इसको पढ़कर आने वाली पीढ़ी 22 जनवरी के प्रसंग को महसूस कर सकेगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में रीडर्स क्लब के संस्थापक सदस्य मनोज कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने क्लब की उपयोगिता, विशेषता एवं आगामी रणनीति पर प्रकाश डाला। संचार विशेषज्ञ एवं साहित्यकार संजय सक्सेना ने शर्मा से साक्षात्कार रूप में पुस्तक की परिकल्पना एवं विषय वस्तु पर चर्चा की। चर्चा के दौरान संजीव शर्मा ने कहा कि ÷अयोध्या 22 जनवरी÷ को लिखते समय मेरे जेहन में आने वाली पीढ़ी को इतिहास और भारत गौरव से अवगत कराना था। 22 जनवरी भारत के इतिहास में एक ऐसी तारीख है जो स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। 'रीडर्स क्लब' के इस आयोजन में सुपरिचित पत्रकार, लेखक एवं संचार कर्मियों का जमावड़ा रहा। पुस्तक की प्रस्तावना को पत्र सूचना कार्यालय अधिकारी अजय उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। पुस्तक के अंश का पाठन पत्रकार शुरैई नियाजी, जनसम्पर्क अधिकारी रितेश दुबे, आकाशवाणी के राशिद अहमद खान, प्रशांत सेंगर ने किया। वरिष्ठ पत्रकार चंद्रहास शुक्ला ने पुस्तक को एक गंभीर दस्तावेज बताया।

एमबीए, बीएड, बीपीएड के 66 कॉलेज डिफॉल्टर घोषित

नियमों का पालन नहीं करने पर बीयू ने की कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गाइडलाइन के अनुसार मूलभूत ढांचा नहीं होने से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा 66 कॉलेजों पर कार्रवाई की गई है। बीयू ने एमबीए, बीएड और बीपीएड के 66 कॉलेज डिफॉल्टर घोषित किए हैं। बीयू के इस निर्णय के बाद अब यह कालेज प्रवेश प्रक्रिया से बाहर हो गए हैं। बीयू ने इन डिफॉल्टर कॉलेजों की सूची भी जारी की है। इनमें 38 बीएड-बीपीएड और 28 एमबीए कॉलेज हैं। प्रदेश में करीब 275 एमबीए एवं 650 बीएड कॉलेज हैं। इन कॉलेजों में यूजीसी के नियमों का सख्ती से पालन नहीं हो रहा। इन कॉलेजों ने अब तक कोड-28 के तहत फैकल्टी की नियुक्तियां नहीं की हैं। योग्य फैकल्टी के स्थान पर 10-15 हजार रुपए देकर पीजी स्टूडेंट्स को नियुक्त कर लिया जाता है। दिखाने के लिए अन्य कॉलेजों में कार्यरत प्रोफेसरों को पंजीकृत कर लिया जाता है। बीयू को कालेजों में गड़बड़ी मिली, जिसके बाद कार्रवाई की गई। बीयू के अधिकारियों के मुताबिक, इन कॉलेजों को मापदंड पूरा करने के लिए समय दिया गया है। इसके बाद भी मापदंड पूरे नहीं करते हैं, तो ईसी की बैठक के बाद संबद्धता समाप्त की जाएगी।

राजधानी के 28 कॉलेज

राजधानी के कई बड़े समूह के 28 कॉलेज भी हैं। इनकी सूची उच्च शिक्षा विभाग एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को भी सौंपी गई है, साथ ही विवि के पोर्टल पर भी अपलोड की गई है।

विद्यार्थियों को अलर्ट, इन कॉलेजों में प्रवेश न लें : बीयू ने छात्रों को सतर्क किया है कि वे इन कॉलेजों में प्रवेश न लें। रिपोर्ट के मुताबिक, इन कॉलेजों में शिक्षा के मापदंडों का उल्लंघन किया जा रहा था। डिफाल्टर कॉलेज सत्र 2024-25 की प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकेंगे। जो कॉलेज प्रवेश दे चुके हैं, उनके छात्रों को दूसरे कॉलेजों में शिफ्ट किया जाएगा।

भाभा विवि में एआई पर राष्ट्रीय सेमिनार

भोपाल भाभा विवि के शिक्षा संकाय द्वारा 'शोध में उपयोगी आईसीटी एवं एआई उपकरण ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें इग्नू की सहायक प्राध्यापक डॉक्टर हेमलता बघेल द्वारा शोध में उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। बघेल ने छात्र-छात्राओं से महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की । इस अवसर पर संस्था के सीईओ श्रीप्रसाद पिल्लई, वाइस चांसलर डॉक्टर दिलीप डे, आदि मौजूद थे। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर कविता पड़ेगांवकर ने विद्यार्थियों को उपकरणो रिसर्च में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

डा.गर्ग का चिकित्सा क्षेत्र में योगदान पर हुआ सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सामाजिक संस्था जन परिषद ने भोपाल के सुप्रसिद्ध सर्जन,डॉक्टर भुवनेश्वर गर्ग का उनके वैश्विक खोजों, उपलब्धियों, अंतरराष्ट्रीय शोधपत्रों हेतु अपने वार्षिक कार्यक्रम में सम्मान किया, इस अवसर पर मौजूद पूर्व डीजीपी ऋषि शुक्ला एससी त्रिपाठी, तथा वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव वर्मा ने डॉ गर्ग की चिकित्सा एवम सामाजिक सरोकार की सराहना की। पूर्व आईएएस अजातशत्रु श्रीवास्तव ने डॉ गर्ग की कोरोना काल में शत प्रतिशत मरोजों को बिना एंटीबायोटिक्स सुरक्षित रखने और जीवन बचाने तथा मरीजों के शोषण के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम का विशेष तौर पर उल्लेख किया।

अमंगल दूर होते हैं पार्थिव शिवलिंग के निर्माण से: मुकेशजी

महामृत्युंजय शिव महापुराण कथा का विश्राम दिवस संतनगर में

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

महामृत्युंजय शिव महापुराण कथा के विश्राम दिवस पर मुकेश महाराज जी महाराज ने कहा कि घर में पार्थिव शिवलिंग बनाएंगे तो आपके घर के अमंगल दूर हो जायेंगे, जिस कार्य में परमार्थ ना हो, वो ना करे। जिस वाणी में परमात्मा की प्रीत लगे वही शिववाणी है। शास्त्रों का निचोड़ निकालकर उसे पर अमल करें। अमूल्य ज्ञान ले जाइए जो दैनिक कार्यों और नैतिक कार्यों में काम आए।

उन्होंने कहा कि मां बच्चे की प्रथम पाठशाला होती है पिता अनुशासन सिखाता है मां ममता की मूर्ति है मां प्रेम से हाथ घूमाती है और प्यार देती है और पिता कठोर हाथ से

उसे एक आकार देता है एघोड़े की सवारी पर यदि रोक ना लगे तो वह घोड़ा बहक जाता है इसी प्रकार इंसान अगर शास्त्रों के अनुसार न चले तो वह अपने जीवन में भटक जाता है जीवन में कितना भी इंसान को अच्छा मिले इंसान और पाने की फिराक में लगा रहता है आज का इंसान दूसरे से तुलना करके स्वयं को दुखी करके बैठा है ।

कथा विश्राम के दिन कथा स्थल पर मुकेशजी का जन्म दिवस श्रद्धालुओं ने भजनों पर थिरकते हुए बधाई दी। कथा में सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दयानी, सुनील मंगवानी, भाजपा ,नेता विकास विरानी, ,पार्षद राजेश हिंगोरानी सत्कार प्रभारी कुलदीप खरे, सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी, ,पूर्व पार्षद भारती खटवानी, हरीश नागदेव,महेश गुरबाणी, इंद्र भोजवानी, नारायणदास सबनानी, लीला राजपूत मनोज गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इसके साथ ही मानसरोवर मंदिर के संस्थापक संजय कश्यप, संत नरेश पारदासानी, जिला मंत्री प्रवीण प्रेमचंदानी, बसंत चेलानी नरी तनवानी भी शमिल हुए।

मेट्रो एंकर 300 लोगों ने कराई अपनी सेहत की जांच

रीझवानी व साध्वी द्रोपदी की स्मृति में हेल्थ चेकअप कैम्प

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारत लैब नेटवर्क और पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में डॉ राकेश गुलानी के मार्गदर्शन में सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष साबू रीझवानी व साध्वी द्रोपदी धनवानी की स्मृति में हेल्थ चेकअप कैम्प झूलेलाल मंदिर में लगाया गया। कार्यक्रम के आरंभ में रीझवानी व द्रोपदी धनवानी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया।

इस अवसर पर डॉ गुलानी ने कहा कि दादा रीझवानी जी व दीदी साध्वी द्रोपदी देवी धनवानी की सेवाओं को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। यह कैम्प भी उनकी स्मृति में लगाया गया, जिससे गरीब निर्धन लोगों को लाभ मिले आगे चलकर शुगर, बी.पी., कोलेस्ट्राल की जांच के अलावा अन्य बीमारियों की जांचें भी निःशुल्क की जाएगी।

इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव माधू चांदवानी ने भारत लेब नेटवर्क व डॉ राकेश गुलानी के सहयोग से यह कैम्प में लगाया गया है। कैम्प में लगभग 300 मरीजों की जांच की गयी है। पंचायत आगे चलकर भी डॉ गुलानी के सहयोग से अन्य बीमारियों की जांच की कैम्प निःशुल्क लगाने के प्रयास किए जाएंगे, जिससे गरीब व निर्धन लोग लाभ उठा सके। इस अवसर पर पंचायत कार्यवाहक अध्यक्ष भरत आसवानी ने भारत लेब नेटवर्क व डा राकेश का आभार व्यक्त किया व आशा व्यक्त की आगे भी समाज के लिए काम करते रहेंगे।

कार्यक्रम में पंचायत के उपाध्यक्ष नंद दादलानी, जगदीश आसवानी, ओमप्रकाश रीझवानी, मोहन मीरचंदानी, जेठानंद मंगतानी, गुलाब जेठानी, राज मनवानी, राजकुमार रायचंदानी, माधव पारदासानी, हरीश मेहरचंदानी, चंद्रभान रीझवानी, घनश्याम लालवानी, राकेश शेवानी, सुरेश रीझवानी, कन्हैया नागदेव, महेश खटवानी, मोहनलाल चंदनानी, दयाल दोलतानी, प्रेम पठानी, बूलचंद वासवानी, मुरली गुरबानी, जानकीलाल भारानी सहित साध्वी द्रोपदी देवी धनवानी के अनुयायीगण उपस्थित थे।

हरियाली उत्सव :ओपन गार्डनों में पौधे रोपे

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि संतनगर को हरा भरा बनाना है तो हमें कम से कम रोजाना एक पेड या पौधा लगाना चाहिए। जहां रिक्त स्थान हो, पेड़ पौधों की देखरेख करने वाला हो, वहां एक पेड़ या पौधा अवश्य लगाए। समिति द्वारा ओपन गार्डन में माली की देखरेख में बेलपत्र, कटहल, अमरुद, अनार, पीपल, गुलाब एवं शमी के पेड पौधे लगाए गए। समिति के अध्यक्ष देवानी ने बताया कि कल से राम तुलसी एवं श्यामा तुलसी के पौधों के लिए भी काल आने लगे है। राम तुलसी एवं श्यामा तुलसी भी 15 जुलाई से घर-घर देना शुरु की जाएगी। पेड़- पौधे रोपने वालों में बजरंग सेना समिति के अर्चक पुरोहित राज कुमार गर्ग, प्रेम अहिरवार आदि उपस्थित थे।

पानी का विवाद खत्म हुआ, दोनों राज्य के मुख्यमंत्रियों ने दी मौखिक सहमति

मप्र और राजस्थान वाइल्ड लाइफ टूरिज्म पर साथ कदमताल करेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पार्वती–कालीसिंध–चंबल नदी लिंक परियोजना को लेकर आगे बढ़ चुके मप्र और राजस्थान अब वाइल्ड लाइफ टूरिज्म पर साथ–साथ काम करेंगे। दोनों राज्यों के बीच टूरिज्म सर्किट, धार्मिक तीर्थ स्थलों को जोड़ने, इनके बीच वाहन, ट्रेन और बस सेवा शुरू करने जैसे बड़े निर्णय लिए गए हैं। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व भजनलाल शर्मा ने इस पर रविवार को मौखिक सहमति भी दे दी है। अब तेजी से काम किया जाएगा। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दोनों राज्यों की सीमा एक दूसरे से जुड़ी है। हमने तय किया है कि राष्ट्रहित में मिलकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मप्र व राजस्थान दोनों ही पर्यटन की दृष्टि से अहम राज्य है। राजस्थान की कोशिशें होंगी कि दोनों राज्यों के बीच एक ऐसा माहौल तैयार किया जाए कि जो पर्यटक राजस्थान आएंगे, वे मप्र भी जाएं। इसके लिए वाइल्डलाइफ, धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

उल्लेखनीय है कि नदी लिंक परियोजना को लेकर रविवार को मिंटो हाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम था, जिसमें दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री व अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसमें 72 हजार करोड़ रुपये की योजना के सारे विवाद खत्म करके दोनों राज्यों ने आगे बढ़ने की बात दोहराई। इस परियोजना पर मप्र 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगा। मप्र की 3.37 लाख हेक्टेयर जमीन में सिंचाई होगी और 30 लाख किसान और उनके परिवारों को फायदा होगा। राजस्थान 2.80 लाख हेक्टेयर में सिंचाई करेगा और 2 लाख से अधिक किसान व उनके परिवारों को फायदा होगा। दोनों ही राज्यों के 13-13 जिले लाभान्वित होंगे। परियोजना में 17 बांधों का निर्माण होगा, जिनकी जल भराव क्षमता 1477.62 मिलियन घन मीटर होगी।

दोनों राज्य इन कामों पर भी मिलकर करेंगे काम, बनी सहमति

- खाटू–श्याम जी, नाथद्वारा, उज्जैन, ओंकारेश्वर के मध्य वंदे भारत ट्रेन व इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू की जाएगी।
- मध्यप्रदेश की खनन नीति को राजस्थान अपनाएगा।
- दोनों राज्यों में बजरी का प्रयोग बंद कर स्टोन डस्ट और एम सैण्ड के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।
- आयुर्वेद, आयुष, पंचकर्म पर्यटन को बढ़ावा देने के संयुक्त प्रयास होंगे।
- मप्र पर्यटन की होटल आऊटसोर्सिंग नीति को राजस्थान अपनाएगा।
- दोनों राज्य अफीम, डोडा चूरा से जुड़े अपराधियों का डेटा बेस साझा कर नीलामी नीति में एकरूपता लाएंगे।
- दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित मेडिकल कॉलेज व संसाधनों का एक–दूसरे राज्य जरुरत पड़ने पर उपयोग करेंगे।
- कूनो से लगे राजस्थान के वन क्षेत्रों को मिलाकर एक संयुक्त बड़ा राष्ट्रीय पार्क बनाने की दिशा में संयुक्त प्रयास होंगे।

स्टॉक के नाम पर रेत निकाली तो कलेक्टर नपेंगे

बारिश में रोक के बावजूद रेत खनन किया तो होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बारिश में रोक के बावजूद रेत खनन करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी जिले में कार्रवाई नहीं होती है और शिकायत मिलती है तो संबंधित कलेक्टर नप सकते हैं।

राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी हालत में बारिश के दिनों में रेत न निकाली जाए। यदि कहीं भी अवैध उत्खनन पाया जाता है तो इसकी जवाबदारी कलेक्टरों की होगी। असल में खनिज विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव ने जिलों के कलेक्टरों को अपने-अपने जिलों में रेत के अवैध खनन पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कहा कि प्रतिबंधित अवधि में खनन नहीं होना चाहिए, अवैध खनन तो किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निर्देश दिए हैं कि खदानों के पहुंच मार्ग बंद किए जाएं और जांच चौकियों पर निगरानी बढ़ाई जाए। प्रमुख सचिव ने यह भी स्वीकारा कि बीते वर्षों में कुछ ठेकेदारों ने रेत का अवैध स्टॉक जमा कर लिया था, जो कि अवैध था। ऐसे ठेकेदारों ने उक्त स्टॉक को पूर्व का स्टॉक बताया था। उल्लेखनीय है कि प्रतिबंध के दौरान केवल भंडारित रेत का ही परिवहन किया जा सकता है। खदानों से रेत निकालने पर रोक रहती है। तब भी कई ठेकेदार स्थानीय स्तर पर अधिकारियों से सांठगांठ कर खदानों से रेत निकाल लेते हैं।

वास्तुदोष दूर करने व सुविधा बढ़ाने के लिए अब कांग्रेस का कैफे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय परिसर में रेवा कैफे एवं रेस्टोरेंट की शुरूआत हो गई है। इसे कार्यालय के पिछ्वाडे बनाया गया है और इसके जरिये खाली स्थान से उभरा वास्तुदोष भी दूर करने की कोशिश की गई है। इसका शुभारंभ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, सांसद अशोक सिंह और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चाव्हाण द्वारा फीता काटकर किया गया। पटवारी ने कहा कि कैफे में चाय-नाश्ते के साथ इडली, डोसा, सांभर सहित सभी व्यंजनों के साथ स्वादिष्ट भोजन सस्ती दरों पर उपलब्ध रहेगा। कांग्रेसजनों, मीडिया के साथियों और आमजनों को सस्ती और सुलभता को दृष्टिगत रखते हुये यह सुविधा प्रारंभ की गई है। गौरतलब है कि कांग्रेस के दिल्ली मुख्यालय में भी लंबे समय से एक कैंटीन हैं। मप्र में काफी समय से यह प्रस्तावित थी लेकिन किसी अध्यक्ष ने इसे शुरू करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। इसका संचालन निजी हाथों में दिया गया है। भोपाल में कैंटीन उद्घघाटन के बाद कांग्रेस के कइई विधायकों व पदाधिकारियों ने व्यंजनों का स्वाद चखा।

'अभिप्रेरक आदर्श संस्थान बनेगा एसवी पॉलीटेक्निक कॉलेज'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने श्यामला हिल्स स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलिटेक्निक महाविद्यालय का निरीक्षण किया। मंत्री परमार ने महाविद्यालय परिसर में टैगोर हॉस्टल का निरीक्षण कर संस्थान परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परमार ने संस्था परिसर में उपलब्ध भूमि पर विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं संस्थान के अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा पौधारोपण कर विद्यावन तैयार करने के लिए इसे व्यापक रूप में वर्षाकाल से प्रारंभ करने को कहा। परमार ने कहा कि बंजर भूमि मे सघन वृक्षारोपण किया जाये। नीम, पीपल, करंज, मौलश्री, गूलर, इमली, महुआ इत्यादि पौधों को प्राथमिकता दी जाए, पौधे पर्यावरण के अनूकूल हों और पूर्व दिशा की ओर नीम, पीपल और बरगद की त्रिवेणी लगाई जाये। उन्होंने कहा कि पंक्षियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए मध्य में मौलश्री के पौधे लगाए जाएं और पहले से स्थित वृक्षों को यथास्थान रख उनकी भी देखरेख की जाए।

तकनीकी शिक्षा मंत्री परमार ने संस्थान परिसर में जल संरक्षण की दृष्टि से व्यापक प्रबंध किए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भूमि के ढलान वाले भाग पर खुदाई कर रैन वॉटर हार्वेस्टिंग के द्वारा परिसर के व्यर्थ बह जाने वाले जल को संरक्षित कर भू जल के स्तर को बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। पौधों और वृक्षों को जल आपूर्ति के लिए ड्रिप इरीगेशन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विद्यावन रूपी सघन वन मे छात्रों के अध्ययन के लिए ग्लास हाउस भी बनाया जाए। परमार ने कहा कि समीप स्थित खेल मैदान को पीली मिट्टी से समतल कर विकसित किया जाये और संस्थान परिसर मे सुरक्षा दीवार का निर्माण कराएं। परिसर की बाउंड्रीवॉल, सुरक्षा दीवारों एवं अन्य दीवारों पर भारतीय तकनीकी एवं पुरातन ज्ञान संबंधी जानकारी लिखकर विद्यार्थियों को अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि दीवारों पर वेदों, उपनिषदों में उल्लेखित ज्ञान-विज्ञान, औषधि एवं इंजीनियरिंग पर आधारित घटनाओं एवं प्रतीकों का चित्रण और लेखन किया जाए।

भोपाल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज सुबह मंत्री परिषद की बैठक विधानसभा स्थित समिति कक्ष में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई।

बजट सत्र में कर्मचारियों की मांगे पूरी करने का दबाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच में प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित करके मांग की है कि मानसून बजट सत्र में कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूरा करने का स्पष्ट प्रावधान किया जाए। मंच प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि प्रदेश के नियमित कर्मचारियों को चार प्रतिशत महंगाई भत्ते का एरिया सहित लाभ देने स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित न्यूनतम वेतनमान का लाभ देने,अनियमित कर्मचारियों को न्यायालय आदेश का लाभ देकर नियमित करने, श्रमिकों के कम किए गए वेतन को पुनः बढ़ाने जैसे कई मामले लंबित हैं। इनके अलावा अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने, अनियमित कर्मचारियों को 10 लाख रुपए की ग्रेजुटी एवं 10 लाख रुपए का अनुकंपा अनुदान की मांगे भी पेडिंग हैं।

आरजीपीवी में सात तक परीक्षा फॉर्म जमा कर सकेंगे स्टूडेंट्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) मई-जून 2024 की सेमेस्टर परीक्षा के अंतर्गत बीटेक, एमसीए, एमई की परीक्षा के लिए नोटिस जारी कर दिया है। आरजीपीवी के एग्जाम कंट्रोलर प्रशांत जैन ने बताया कि बीटेक फर्स्ट और सेकंड सेमेस्टर तथा एमसीए, एमई फर्स्ट और सेकंड सेमेस्टर के स्टूडेंट्स 7 जुलाई तक परीक्षा फॉर्म जमा करने होंगे।

मेट्रो एंकर सीएम ने वीडियो कांफ्रेसिंग कर दिए जिला और संभागीय अधिकारियों को निर्देश

जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां भविष्य की दृष्टि से भी जारी रखी जाएंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण दिवस तक जल गंगा संवर्धन अभियान उत्सव के रूप में चला। कई जिलों में अच्छे कार्य हुए हैं। कई पुरानी बावड़ियों को पुनर्जीवन मिल गया। जल स्रोतों की सफाई भी की गई। अनेक स्थानों पर गुणवत्तापूर्ण कार्य हुए हैं। इन कार्यों की उपयोगिता को देखते हुए भविष्य की दृष्टि से 30 जून के बाद भी कार्यों को जारी रखा जाए। नवाचारों की जानकारी संकलित की जाए। जो कार्य शेष हैं, उन्हें चिन्हित कर पूरा करने का प्रयास हो। जल स्रोतों को चिन्हित करने और उनकी क्षमता बढ़ाने का अभियान निरंतर चले। ऐसे स्थान जहां पानी मिला है, उनका उपयोग भी हो जाए। साथ ही रोजगार की दृष्टि से मत्स्य पालन या अन्य गतिविधियां भी संचालित की जाएं। सैडमेप के सहयोग से ऐसी जल संरचनाओं जहां भूमिगत जल कम हो गया है, को उपयोगी बनाने से संबंधित अध्ययन एवं सर्वे किया जाए। जनपद पंचायतें ऐसे जल स्रोतों को प्रभावी बनाने का कार्य करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास से प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर्स, कमिश्नर्स और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्रोतों को सहेजने, उनकी स्वच्छता और जल स्रोतों की उपयोगिता एवं क्षमता बढ़ाने के कार्य निरंतर किए जाएं।

शहरी, ग्रामीण और वन क्षेत्र सभी जगह हुए जल संरक्षण के कार्य: मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जल-गंगा संवर्धन अभियान में संपन्न कार्यों की अपर मुख्य सचिव श्री मलय कुमार श्रीवास्तव और नगरीय क्षेत्र में संचालित जल संरक्षण कार्यों के संबंध में प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने विस्तारपूवर्क जानकारी दी। वन क्षेत्र में हुए कार्यों और आगामी योजनाओं के संबंध में अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल ने अवगत करवाया।

जनता की भागीदारी से चला अभियान: प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय में विशेष जल सम्मेलन बुलाए गए। जल संरचनाओं के आसपास से अतिक्रमण हटाने का कार्य किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी जल संरक्षण से जुड़े अनेक कार्यों को अंजाम दिया गया। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में अभियान में करीब सवा दो लाख नागरिकों ने श्रमदान कर जल संरचनाओं में लगभग 30 लाख घनमीटर क्षमतावर्धन का कार्य किया। एक हजार से अधिक जल संरचनाएं संरक्षित की गईं। लगभग छह लाख घनमीटर से अधिक गाद निकालने के साथ ही जल संरचनाओं के आसपास पौधे भी लगाए गए। जन-जागरूकता के लिए चित्रकला और निबंध स्पर्धाएं हुईं और कलश यात्रा जैसे आयोजन भी हुए। विद्यार्थियों को भी जल संरक्षित करने का संकल्प दिलवाया गया। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत जल संरचनाओं के उन्नयन कार्यों की समीक्षा की गई। ग्रामीण क्षेत्र में सम्पन्न कार्यों से जन- जागरूकता भी बड़ी है। पुराने कुओं, तालाबों के संरक्षण और संवर्धन के कार्यों के लिए विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कार्य सम्पन्न हुए हैं। कुछ जिलों में स्व-सहायता समूह की बहनों ने भी हिस्सेदारी की। प्राचीन और ऐतिहासिक तालाबों का भी जीर्णोद्धार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को की वीडियो कांफ्रेंस में सिंगरौली, छतरपुर, झाबुआ, दमोह, रायसेन, दतिया, खण्डवा, जबलपुर, अशोक नगर और इंदौर कलेक्टर्स ने जल-गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों की जानकारी दी।

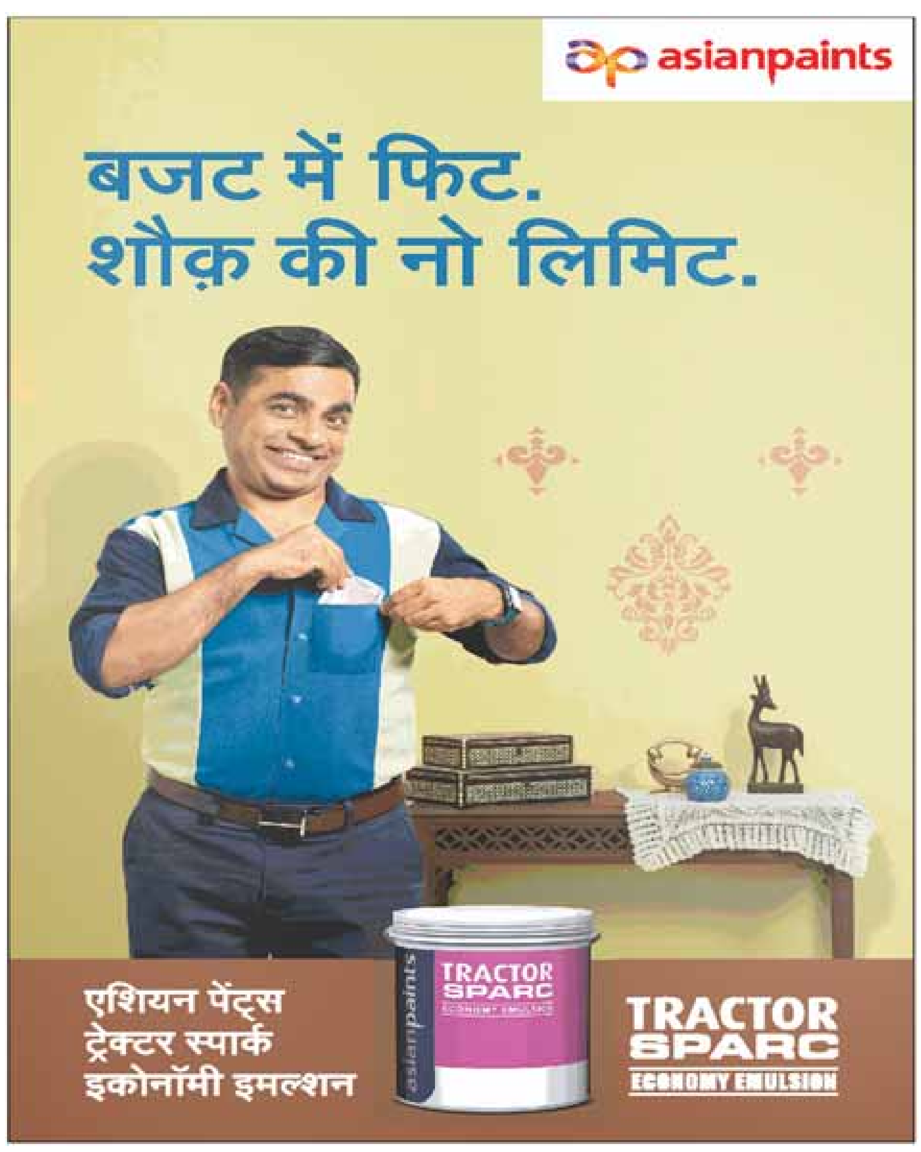

संपादकीय

चर्चा की जरूरत

लोकसभा का मौजूदा सत्र नीट परीक्षा को लेकर बाधित हो रहा है। आज से फिर कामकाज शुरू हुआ है। लेकिन विपक्ष के तेवर भी बने हुए हैं। लेकिन बीते दिनों के कामकाज पर नजरें दौडायें तो संसद में राष्टपति का अभिभाषण भी गौरतलब है। क्योंकि इसमें आमतौर पर अगले पांच वर्ष के लिए सरकार की नीतियों और योजनाओं को रेखांकित गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा वह कई लिहाज से महत्तवपूर्ण है। यह संबोधन तब आया जब नरेंद्र मोदी का बतौर प्रधानमंत्री तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ लेकिन यह वह कार्यकाल है जहां राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन के साझेदारों की भूमिका बहुत अहम है। पिछले दो अवसरों की तरह इस बार भाजपा अपने दम पर बहुमत में नहीं हैं। व्यापक सामाजिक-राजनीतिक बहस के मुताबिक देखें तो यह ऐसे समय हुआ है जब रोजगार, खासकर युवा बेरोजगारी एक अहम मुद्दा है और घरेलू तथा विदेशी कारोबारियों का निवेश कमजोर पड़ा है। ऐसे में इस भाषण से उम्मीद की जा रही थी कि इसमें नीतिगत दिशा को लेकर अहम बातें कही जाएंगी। भाषण में सरकार की पिछली उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बात की गई। इसने मोटे तौर पर इस बात पर जोर दिया कि कैसे भारत 10 वर्ष पहले की दुनिया की 11वीं बड़ी अर्थव्यवस्था से उठकर अब पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है और इस समय हमारा देश दुनिया की सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। इन परिस्थतियों का श्रेय 'रिफॉर्म, परफॉर्म ऐंड ट्रांसफॉर्म' को दिया गया। आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर कोविड के बाद 2021 से 2024 के बीच वृद्धि का दायरा सालाना 8 फीसदी रहने की बात को रेखांकित किया गया। यानि अभिभाषण में राजनीतिक दृष्टि से सभी जरूरी विषयों को छुआ गया। सरकार के गरीबी निवारण पर ध्यान केंद्रित करने, पर्यावरण के अनुकूल अर्थव्यवस्था, किसानों और महिलाओं के सशक्तीकरण आदि विषयों को रेखांकित किया गया। उन विषयों का भी उल्लेख किया गया जिनका अतीत में काफी विरोध हुआ है। उदाहरणार्थ सरकार ने विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नागरिकता प्रदान करने का जिक्र किया तो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का चुनाव में खरा उतरने तथा अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की बातें हुई। आपातकाल का जिक्र भी उभरा। दिलचस्प बात यह है कि भाषण में परीक्षा संबंधी संस्थाओं में व्यापक बदलाव के वादे से भी पीछे नहीं हटा गया। अभिभाषण में इस बात के संकेत हैं कि सरकार आगामी आम बजट के लिए अपनी क्षमताएं बचाकर रख रही है। साफ बताया गया कि कैसे आगामी बजट सरकारी दूरगामी और भविष्यदर्शी नीतियों और दृष्टिकोण का एक प्रभावी दस्तावेज होगा। राष्टपति ने कहा कि बजट सुधारों की गति को तेज करेगा और ऐसा 'देश के लोगों की तेज विकास की आकांक्षा' के अनुरूप ही होगा। इसमें अहम बात थी दुनिया भर से निवेश जुटाने के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने की। उन्होंने कहा कि ऐसा करना प्रतिस्पर्धी सहकारी संघवाद की वास्तविक भावना के अनुरूप होगा। लोक सभा के मौजूदा स्वरूप में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जोरदार बहस की उम्मीद है , विपक्ष के पास भी मौका है कि वह रचनात्मक रूप से सरकार की कमियों को सामने रखे और देशहित में व्यापक चर्चा के बाद एक ठोस कार्ययोजना को बनवाए।

हिमालय से हिन्द महासागर तक आर्थिक और सामरिक शक्ति बढ़ाने की तैयारी

■ आलोक मेहता

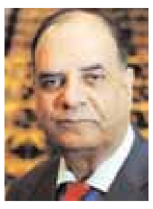

जम्मू कश्मीर लद्दाख से अरुणाचल तक सुरक्षा के प्रबंध के साथ अब लक्ष्य द्वीप से अंडमान निकोबार की समुद्री सीमाओं पर सुरक्षा और आर्थिक सम्पन्नता के लिए मोदी सरकार ने व्यापक योजनाएं क्रियान्वन की तैयारी कर ली है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल में ग्रेटर निकोबार को कभी ब्रिटेन के कब्जे में रहे चीन के हांगकांग क्षेत्र से भी अधिक आकर्षक आर्थिक क्षेत्र बनाने का काम शुरु कर दिया है । यह योजना न केवल अपनी समुद्री सीमाओं को विश्व के अनेक संपन्न देशों की सामरिक तथा आर्थिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण समझी जा रही है । यही कारण है कि दुनिया के विकसित संपन्न देश अंतर्राष्टीय संगठनों में भारत और इसके प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को निरंतर विशेष महत्व दे रहे हैं । कश्मीर , लद्दाख , अरुणाचल प्रदेशों और लक्ष्य द्वीप की तरह अंडमान निकोबार को भी एक पत्रकार के रुप में बदलते देखने के अवसर पिछले पचास वर्षों में मिले हैं । इसलिए निकोबार द्वीप के क्रांतिकारी बदलाव की योजना जानकर अलग तरह की प्रसन्नता हो रही है । सबसे पहले मई 19।8 में करीब एक सप्ताह अंडमान निकोबार की यात्रा चुनिंदा तीन पत्रकारों एवं इस सुदूर आदिवासी क्षेत्र के विशेषज्ञ सुदर्शन पंडित के साथ करने का अवसर मिला और मैंने अपनी पत्रिका साप्ताहिक हिन्दुस्तान में अनेक चित्रों के साथ आवरण कथा (कवर स्टोरी) लिखी थी । इस दृष्टि से पहले करीब 45 साल पहले देखे जाने निकोबार की कुछ बातों का उल्लेख उचित लगता है । सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह था कि निकोबार पर कहने को भारत सरकार का प्रशासन था , लेकिन असली राज चलता था पादरी और बिजनेसमैन आकोजी जादवेट परिवार का । उस समय निकोबार की आबादी केवल 10 हजार के आसपास थी और 15 गांव थे । करीब 52 किलोमीटर लम्बी सड़क गांवों को जोड़ती है । पादरी परिवार इस इलाके के बेताज बादशाह थे । अंडमान से भी अलग थलग निर्जन आदिवासी क्षेत्र होने से चर्च और पादरी ने 99 प्रतिशत आदिवासियों को ईसाई धर्म स्वीकार करवा दिया था । एक प्रतिशत लोग मुस्लिम थे । यहां के लोग अंडमान से बिल्कुल भिन्न गोरे चिकने मंगोलियन की तरह स्वस्थ्य सुन्दर दिखते हैं। सरकारी अधिकारियों के बजाय विशेषज्ञ पंडितजी ने बहुत अंदरूनी स्थितियों की जानकारियां दी । पादरी के इशारे पर गांव के कप्तान चुने जाते थे । निकोबारी खून पसीना एक कर खेती मजदूरी से जो उत्पादन करते , उसे पादरी के एजेंट कप्तान की इच्छानुसार ही बेच सकता था ।जमीन किसी व्यक्ति के नाम नहीं गाँव की होती थी ।यदि कोई लड़की किसी गैर ईसाई से शादी कर ले तो उसका दाना पानी बंद हो जाता था । हद यह थी कि निकोबार के चर्च के आंगन में उस जीवित बूढ़े पादरी की बड़ी भारी मूर्ति लगी हुई थी । निकोबार में तैनात भारत सरकार के कुछ अधिकारी कर्मचारियों को अपना हिन्दू मंदिर बनाने तक की अनुमति पादरी ने नहीं दी । निकोबार से अंडमान पोर्ट ब्लेयर पहुँचने के लिए नौकाएं और एक छोटे जहाज की व्यवस्था थी , जो एक सप्ताह में आता जाता था । बहरहाल चालीस वर्षों और खासकर पिछले दस वर्षों में अंडमान निकोबार तेजी से बदल रहा है । इसी क्रम में मोदी सरकार ग्रेट निकोबार द्वीप को दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे के साथ एक आधुनिक शहरी केंद्र के रूप में विकसित करना चाहती है। राजनीतिक बाधाओं के बावजूद, नीति आयोग द्वारा तैयार ।5,000 करोड़ रुपये की %ग्रेट निकोबार विकास योजना% को पर्यावरण नियंत्रक बोर्ड ने भी स्वविकृति दे दी ।। ग्रेट निकोबार, दुनिया का सबसे दक्षिणी और सबसे बड़ा द्वीप है। इस प्रोजेक्ट में ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट, पावर प्लांट और टाउनशिप बनाने की योजना है ।इस प्रोजेक्ट में प्रस्तावित बंदरगाह से क्षेत्रीय और वैश्विक समुद्री व्यापार अर्थ व्यवस्था में ग्रेट निकोबार की हिस्सेदारी बढ़ेगी और वह कार्गो शिपमेंट में एक बड़ा प्लेयर बनकर उभरेगा हवाई अड्डा बनने से से मैरिटाइम सर्विसेज को ग्रोथ मिलेगी और ग्रेट निकोबार आइलैंड से देशी और विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी , जिससे पर्यटन बड़ेगा । ग्रेट निकोबार में बंदरगाह बनाने की योजना की बात साल 19।0 से चल रही थी। इसका मकसद दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग (मलक्का जलडमरूमध्य) के करीब एक बंदरगाह बनाना था, जिससे दुनिया के समुद्री व्यापार में उसकी हिस्सेदारी बढ़ सके । ग्रेट निकोबार द्वीप भारत के सबसे दक्षिणी छोर पर है और यह अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह का हिस्सा है, जिसमें 600 द्वीप हैं.। निकोबारी समुदाय खेती और मछली पकड़ने का काम करते हैं ।ग्रेट निकोबार में अधिकतर लोग वही हैं जो देश के विभिन्न भागों से आकर यहां बसाए गए । साल 1968 से लेकर 19।5 तक भारत सरकार ने पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु से मिलिट्री से रिटायर हुए लोगों और उनके परिवारों को यहां बसाया । करीब 330 लोगों को द्वीप के पूर्वी तटों पर बसे सात गांवों में 15 एकड़ जमीन दी गई । ये सात गांव थे- कैंपबेल बे, गोविंदनगर, जोगिंदरनगर, विजयनगर, लक्ष्मी नगर, गांधी नगर । ।50 किलोमीटर लंबे अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में 5।2 द्वीपों की श्रृंखला शामिल है। यह मुख्य भूमि दक्षिण भारत से लगभग 1200 किमी, म्यांमार से केवल 40 किमी, इंडोनेशिया से 160 किमी और थाईलैंड से 550 किमी दूर स्थित है। बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर की अंतरराष्ट्रीय हाइड्रोग्राफिक संगठन (आईएचओ) की परिभाषाओं के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (ए एंड एन) इन दोनों की समुद्री सीमा में आते हैं। ए एंड एन के उत्तर और पश्चिम में भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) बंगाल की खाड़ी में आता है और ए एंड एन के पूर्व में अंडमान सागर में आता है। ए एंड एन में विभिन्न जलडमरूमध्य (समुद्र में संकीर्ण मार्ग, जिसे चैनल भी कहा जाता है) आधिकारिक तौर पर अंडमान सागर का हिस्सा हैं न कि बंगाल की खाड़ी का । ये बंगाल की खाड़ी को अंडमान सागर और उससे आगे के शिपिंग मार्गों से जोड़ते हैं। भारत के ईईजेड के भीतर टेन डिग्री चैनल (जिसे ग्रेट या ग्रांड चैनल भी कहा जाता है) दुनिया का व्यस्ततम शिपिंग व्यापार मार्ग है । इस क्षेत्र में सुरक्षा, संरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र बहुत बड़े हिंद महासागर क्षेत्र का हिस्सा है । एएनसी के प्रभाव क्षेत्र का इतिहास, संस्कृति, धर्म, अर्थव्यवस्था और व्यापार , ईईजेड, राजनीतिक और अंतर्राष्टीय संबंध, राष्टीय सुरक्षा, सुरक्षा और न केवल भारत बल्कि दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य देशों के शक्ति प्रक्षेपण के नेविगेशन की स्वतंत्रता के साथ-साथ 3 ट्रिलियन डॉलर के अंतर्राष्टीय व्यापार की दृष्टि से गहरा महत्व है, जो दक्षिण अंडमान सागर से होकर गुजरता है। इन्हें हर साल 94,000 से अधिक व्यापारी जहाज पार करते हैं, जो चीन,

दक्षिण कोरिया और जापान से दुनिया का 40त्न माल व्यापार करते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत की भूमि का 0.2त्न और इसके अन्य आर्थिक क्षेत्र का 30त्न हिस्सा है । संचार की समुद्री लाइनें (एसएलओसी) वैश्विक व्यापार का 90त्न से अधिक हिस्सों को प्रभावित करती हैं । इंडो-पैसिफिक एशिया में , 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का वार्षिक शिपिंग व्यापार एसएलओसी और दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण चीन सागर (एससीएस) के चोकपॉइंट्स से होकर गुजरता है।

इस महत्वपूर्ण इलाके को बड़े पैमाने पर विकसित करने से चीन का दुखी और सचेत होना समझा जा सकता है , लेकिन सत्ता में रही पुरानी कांग्रेस पार्टी और उसके कम्युनिस्ट साथियों का विरोध दुर्भाग्यपूर्ण तथा राष्ट्रहित विरोधी ही कहा जाएगा । इसी जून में ही कांग्रेस ने योजना तुरंत प्रभाव से रद्द करने की मांग कर दी ।कांग्रेस पार्टी का कहना है कि इसमें आदिवासी समुदायों और पर्यावरण की रक्षा करने वाले संवैधानिक प्रावधानों, कानूनों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया है। लोक सभा के चुनावी घोषणा पत्र में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने वादा किया था कि वह पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने वाली और पर्यावरण के लिए खतरनाक इस योजना को रद्द कर देगी । कम्युनिस्ट यह भूल रहे हैं कि बंगाल की तरह धीरे धीरे केरल में उनका अस्तित्व समाप्त होने वाला है । हाँ कांग्रेस के कन्धों पर बैठकर वह पहले की तरह विदेशी धन तथा सहयोग से भारत विरोधी माओवादियों को प्रोत्साहित कर सकने का सपना देख रहे होंगे । असल में पर्यटन और व्यापार से अधिक सामरिक सुरक्षा की दृष्टि से अंडमान निकोबार का अन्तर्राष्टीय महत्व है ।अंडमान और निकोबार कमांड (एएनसी) भारतीय सशस्त्र बलों की एक एकीकृत त्रि-सेवा कमान है, जो पोर्ट ब्लेयर में स्थित है । इसे 2001 में दक्षिण पूर्व एशिया और मलक्का जलडमरूमध्य में भारत के सामरिक हितों की रक्षा के लिए बनाया गया था ताकि इस क्षेत्र में सैन्य संपत्तियों की तेजी से तैनाती बढ़ाई जा सके। यह नौसेना के जहाजों को रसद और प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है जिन्हें पूर्वी एशिया और प्रशांत महासागर में तैनाती पर भेजा जाता है । भारतीय ईईजेड और एएनसी प्रभाव क्षेत्र में यह क्षेत्र हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर और प्रशांत महासागर से जोड़ता है , इसलिए मलक्का चैनल की सुरक्षा कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस दोनों नेविगेशन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं। ऑस्ट्रेलिया का 2013 रक्षा श्वेत पत्र हिंद महासागर एसएलओसी व्यापार की सुरक्षा के महत्व पर जोर देता है । इस क्षेत्र में चीन की गतिविधियां दुनिया कई देशों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और कई अन्य देशों द्वारा दिखाई गई चिंता के विपरीत, चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करना जारी रखता है। चीन ने दक्षिण चीन सागर में पुनः प्राप्त एक छोटे से टापू का सैन्यीकरण किया है, जिस पर अन्य देश भी दावा करते हैं चीन ने कथित तौर पर प्रशांत महासागर में भी इसी तरह का अंडरवाटर ड्रोन ऑपरेशन किया है । 1999 में, कारगिल युद्ध के बाद , अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ने अधिक ध्यान आकर्षित किया। राष्टीय सुरक्षा में सुधार पर मंत्रियों के समूह (की रिपोर्ट ने भारतीय नौसेना की सलाह से एक संयुक्त कमान की सिफारिश की और कहा गया कि इस संयुक्त कमान के कमांडर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ को रिपोर्ट करेंगे। अंडमान और निकोबार कमान सितंबर 2001 के अंत तक लागू हो गई और वाइस एडमिरल (बाद में एडमिरल और सीएनएस) अरुण प्रकाश अंडमान और निकोबार कमान के पहले कमांडर-इन-चीफ थे। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक संयुक्त कमान क्षेत्र में और विशेष रूप से मलक्का जलडमरूमध्य में तस्करी, समुद्री डकैती, ड्रग और बंदूक की तस्करी, अवैध शिकार और अवैध आव्रजन को रोकने में मदद करती है । इसका उद्देश्य मलक्का जलडमरूमध्य में खतरों पर अंकुश लगाना है। [द्वीपों में एक भारतीय कमान भविष्य में चीन से होने वाले किसी भी खतरे का मुकाबला कर सकती है । भारतीय ईईजेड और एएनसी प्रभाव क्षेत्र में यह क्षेत्र हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर और प्रशांत महासागर से जोड़ता है , इसलिए मलक्का जलडमरूमध्य की सुरक्षा कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए सर्वोपरि है। संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस दोनों नेविगेशन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं। ऑस्ट्रेलिया का 2013 रक्षा श्वेत पत्र हिंद महासागर एसएलओसी व्यापार की सुरक्षा के महत्व पर जोर देता है ।[हालांकि, इस क्षेत्र में चीन की गतिविधियां कई देशों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और कई अन्य देशों द्वारा दिखाई गई चिंता के विपरीत, चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करना जारी रखता है। चीन ने दक्षिण चीन सागर में पुनः प्राप्त एक छोटे से टापू का सैन्यीकरण किया है, जिस पर अन्य देश भी दावा करते हैं । क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार, सुरक्षा, संरक्षा बढ़ाने और मलक्का जलडमरूमध्य चैनल की रक्षा करने के लिए, भारत एएनसी के प्रभाव क्षेत्र में कई रणनीतिक बंदरगाहों का विकास कर रहा है, जैसे कि त्रिपुरा से रेल संपर्क के साथ बांग्लादेश में चटगांव बंदरगाह , बांग्लादेश में मोंगला बंदरगाह , म्यांमार में कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना के हिस्से के रूप में सित्तवे बंदरगाह और भारत-इंडोनेशिया रणनीतिक सैन्य और आर्थिक साझेदारी के तहत सबंग गहरे समुद्र बंदरगाह ।भारत में कई तटीय बंदरगाहों को विकसित करने के उद्देश्य से भारत की सागर माला परियोजनाओं के साथ , भारत एएनसी के प्रभाव क्षेत्र में और अधिक बंदरगाहों को विकसित करने पर भी विचार कर रहा है, जैसे कि दावेई बंदरगाह परियोजना । यह क्षेत्र समुद्री डकैती की समस्या से ग्रस्त है । एएनसी भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा की गारंटी देता है, जो इंडोनेशिया, मलेशिया , थाईलैंड , म्यांमार, बांग्लादेश , मालदीव और श्रीलंका सहित कई अन्य देशों के ईईजेड के आसपास के क्षेत्र में स्थित है । हिंद महासागर में सभी 3 प्रमुख वैश्विक समुद्री व्यापार मार्ग, केप ऑफ गुड होप और अदन की खाड़ी या होर्मुज के जलडमरूमध्य से , भारतीय ईईजेड में संकीर्ण सिक्स डिग्री चैनल पर मिलते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उच्च शिपिंग घनत्व होता है, जो इस समुद्री व्यापार मार्ग की भेद्यता और सुरक्षा पर प्रभाव डालने की भारत की क्षमता को बढ़ाता है। ।मलाका चैनल सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण चोकपॉइंट है। इस मार्ग से सभी व्यापारिक जहाजों को भारत के अंडमान निकोबार ईईजेड के भीतर स्थित सबसे महत्वपूर्ण एसएलओसी चेक पॉइंट से गुजरना होगा ये चेक पॉइंट भारतीय और प्रशांत महासागरों के बीच प्रवेश और निकास बिंदु हैं, जो सभी संयुक्त भारत-ऑस्ट्रेलिया सैन्य प्रभाव क्षेत्र में स्थित हैं। यह भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई सेनाओं अमेरिका और जापान के साथ क्वाड का हिसे को भारतीय और प्रशांत महासागरों में संयुक्त एंटी-सिग्नल खुफिया जानकारी जुटाने, पनडुब्बी ट्रैकिंग और युद्ध अभियानों के लिए भू-रणनीतिक लाभ प्रदान करता है । भारत जहाज-आधारित परमाणु मिसाइल प्रणाली को निरोध के रूप में और लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक्स (एलपीडी) के साथ नौसेना के युद्धपोतों के बेड़े को तैनात करके अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहा है। क्वाड - चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड), ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच एक रणनीतिक संगठन है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में और इसके आसपास के देशों के व्यापार और सुरक्षा के लिए उत्पन्न जोखिम का मुकाबला करना है। क्वाड राष्ट एएनसी प्रभाव क्षेत्र में नियमित सैन्य अभ्यास भी करते हैं । इंडो-पैसिफिक में चीन की गतिविधियों का मुकाबला करने के उद्देश्य से, ÷स्वतंत्र, खुला, समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र और परिवहन और संचार के लिए खुले, सुरक्षित और कुशल समुद्री लेन बनाए रखने को सुनिश्चित करने के लिए, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने सैन्य ठिकानों तक पारस्परिक पहुंच के लिए आपसी रसद समर्थन और अंतर-संचालन के लिए एक सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किए। भारत की अमेरिका के साथ भी इसी तरह की संधि है, भारत, जिसने एन्क्रिप्टेड सैन्य संचार के लिए यूएसए और जापान के साथ समझौता भी किया है । भारत, अमेरिका और जापान नियमित त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास कर रहे हैं । ऑस्ट्रेलिया, जिसका कोकोस द्वीप पर पहले से ही आरएएएफ बेस है , इसका उपयोग निगरानी के लिए और उत्तर में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से लेकर दक्षिण में कोकोस द्वीप समूह तक फैले क्षेत्र की निगरानी के लिए करता है।नौसेना सहयोग के लिए भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय समझौता भारतीय नौसेना के जहाजों को सिंगापुर के चांगी नौसेना बेस तक पहुँच , रसद सहायता और ईंधन भरने के अधिकार भी प्रदान करता है। भारत के वियतनाम, जापान, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ इसी तरह के समझौते हैं । मतलब भारत सही मायने में विश्व समुदाय के एक रक्षक मित्र की भूमिका निभाता रहेगा ।

चांदी के दाम ऑल टाइम हाई, फिर भी बढ़ रही है मांग; एक साल में जबरदस्त इजाफा

■ ऋषभ मिश्रा

बीते कुछ महीनों में गर्मी की तरह ही चांदी ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह 92,873 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई और भारत में ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बना दिया। माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में बुलियन बाजार में चांदी की इसी तरह से चांदी चलती रहेगी। वैसे बीते चार दशकों के दौरान इसके दाम 26 गुना से भी ज्यादा बढ़ चुके हैं।गौरतलब है कि उद्योगों-खासकर, इलेक्ट्रिक कारों की बैटरियों, सोलर पावर के सोलर पैनल्स और 5-जी टेक्नोलॉजी में चांदी की खपत ज्यादा हो रही है। इससे चांदी की सालाना मांग में सात से आठ फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। इस तरह मांग बढ़ने से इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। मांग की तुलना में चांदी की खनन गतिविधियां लगभग स्थिर हैं, बल्कि इसमें आंशिक गिरावट भी आई है। 2015 में जहां चांदी का वैश्विक खनन 89.7 करोड़ आउंस (एक आउंस यानी 28.34 ग्राम के बराबर) हुआ था। वहीं, 2023 में यह गिरकर 82.4 करोड़ आउंस रह गया। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण अब कई लोग, खासकर माध्यम वर्ग आभूषणों के लिए चांदी की तरफ देख रहे हैं। वस्तुतः पिछले दो दशक में उद्योगों और प्रौद्योगिकी में चांदी की उपयोगिता बढ़ी है।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की हालिया रिपोर्ट कहती है कि पिछले एक साल में सोलर पावर में इस्तेमाल होने वाले फोटोवोल्टेइक पैनल्स में निवेश एक साल पहले की तुलना में दोगुना होकर 80 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। फोटोवोल्टेइक पैनल्स में चांदी का काफी इस्तेमाल होता है। साल 2024 में ही चांदी की वैश्विक मांग में 1.2 अरब आउंस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। लिहाजा, चांदी की कीमतों के भी लगातार ऊंचे होते चले जाने की संभावना है। दरअसल, चांदी दुनिया की सबसे बड़िया सुचालक धातु है। इसलिए सोलर पैनल्स पर चांदी का पेस्ट किया जाता है। जब सूरज का प्रकाश उसके पैनल्स पर गिरता (स्ट्राइक) है, तब सिलिकॉन के इलेक्ट्रॉन मुक्त होते हैं और चांदी विद्युत को तुरंत गतिशील कर देती है।

आज भी सिनेमा को सिल्वर स्क्रीन कहकर संबोधित किया जाता है। दरअसल सिनेमा की शुरुआत में फिल्में प्रोजेक्टर के जरिये दिखाई जाती थीं। इसके लिए जिस परदे पर तस्वीर प्रोजेक्ट की जानी होती थी, उसका चमकदार होना जरूरी था, ताकि परावर्तन (रिफ्लेक्शन) बड़ने से तस्वीरों की गुणवत्ता बढ़ सके। परदे को ज्यादा चमकदार बनाने के लिए तब स्क्रीन को मैटेलिक सिल्वर से कोट किया जाता था। उसी से यह शब्द उत्पन्न हुआ और आज भी अक्सर इसका इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, चांदी सबसे ज्यादा सूर्य की किरणों को परावर्तित करने वाली धातु है। भारत में चांदी का 50.7 प्रतिशत इस्तेमाल उद्योगों में, 17.8 प्रतिशत आभूषणों में, 24.5 प्रतिशत कॉइन्स-बार्स निवेश में, 2.8 प्रतिशत फोटोग्राफी में और 4.2 प्रतिशत चांदी के बर्तनों में उपयोग किया जाता है।

चार मई, 1989 को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने शुक्र ग्रह की सतह की मैपिंग के लिए मैगलेन स्पेस क्राफ्ट लॉन्च किया था। चूंकि चांदी में प्रकाश की किरणों को परावर्तित करने की क्षमता सबसे ज्यादा होती है। इसके मद्देनजर इसे घातक सौर विकिरण से बचाने के लिए इस पर सिल्वर कोटेड क्वार्ट्स टाइल्स लगाई गई थीं। इसके बाद से सभी स्पेस क्राफ्ट के ऊपर सिल्वर की कोटिंग की जाने लगी है। इससे स्पेस क्राफ्ट के तापमान को कम करने में मदद मिलती है। दुनिया में छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 757 सक्रिय चांदी की खदानें हैं। इनमें से भारत में केवल छह हैं।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, चांदी के उत्पादन में सबसे ऊपर मेक्सिको है, जो कि 6,400 टन चांदी का उत्पादन करता है, जो कुल वैश्विक चांदी उत्पादन का 21 फीसदी है। इसके बाद क्रमशः चीन, पेरू, चिली और फिर पोलैंड का स्थान आता है। चीन चांदी का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है। यह कुल उत्पादित चांदी का 18 प्रतिशत हिस्सा इस्तेमाल करता है। तो वहीं इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे ज्यादा 43 टन चांदी का उत्पादन राजस्थान करता है। इसके बाद 11 टन आंध्र प्रदेश, छह टन तेलंगाना, पांच टन हरियाणा और चार टन का उत्पादन झारखंड करता है।

– साभार

> इरादा रखना एक चीज है, पर उस पर अमल करना अलग चीज है। अपने जीवन में, क्या आप अपने इरादों को अमल में लाएंगे, या आप अपने साथ चीजों को बस संयोगवश होने देंगे, यही बड़ा सवाल है।

निशाना

करके है दिखाना !

आ गया हूं बाहर ।
अब नहीं घबराना ।।
पार्टी को मजबूत ।
करके है दिखाना ।।
है समय संघर्ष का ।
रखना इसको याद ।।
रोक न सकता कोई ।
होने से आबाद ।।
चप्पा-चप्पा दौड़ना ।
ना घटा आधार ।।
होके रहेगा जल्द ही ।
नया चमत्कार ।।
कह रहे वो घूम घूम ।
है ऐसा विश्वास ।।
छूटना है सबको ।
ना होना उदास ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1972 वाटरगेट कॉम्प्लेक्स इनवाशिंगटन, . सी। में डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के कार्यालयों पर चोरी के प्रयास के लिए पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें वाटरगेट कांड को प्रज्वलित किया गया, जिसमें अंततः अमेरिकी राष्टपति रिचर्ड न्यूटन के दो साल से अधिक के इस्तीफे का नेतृत्व किया गया।
- 1981 मिस्र के काहिरा में मुस्लिमों और इसाईयों के बीच संघर्ष में 14 लोग मारे गये।
- 1985 जॉन हेन्ड्रिक्स ने संयुक्त राज्य अमेरिका में डिस्कवरी चैनल शुरू किया।
- 1985 स्त्रस्-51-त्र स्पेस शटल डिस्कवरी ने पेलोड स्पेशलिस्ट के रूप में सुल्तान बिन सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद, अंतरिक्ष में पहले अरब और पहले मुस्लिम को ले जाने की शुरुआत की। स्त्रस्-51-त्र नासा के स्पेस शटल कार्यक्रम की अठारहवीं उड़ान थी, और स्पेस शटल डिस्कवरी की पांचवीं उड़ान थी। कैनेडी स्पेस सेंटर, फ्लोरिडा से 17 जून, 1985 को लॉन्च किया गया सात दिवसीय मिशन और 24 जून को कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस पर उतरा।
- 1985 बोर्ड स्पेस शटल डिस्कवरी में, सुल्तान बिन सलमान अल सऊदबकेम पहले अरब, पहले मुस्लिम, और बाहरी अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री रक्त।
- 1987 प्रजातियों के अंतिम व्यक्ति की मृत्यु के साथ, सांवली समुद्र तटीय गौरैया विलुप्त हो गई। सांवली समुद्र तटीय गौरैया, नाइग्रसेन्स, सीराइड गौरैया की गैर-प्रवासी उप-प्रजातियां थीं।
- 1991 दक्षिण अफ्रीका की संसद ने जनसंख्या पंजीकरण अधिनियम को निरस्त कर दिया, जिसके लिए आवश्यक है कि दक्षिण अफ्रीका के प्रत्येक निवासी को रंगभेद की प्रणाली के भाग के रूप में जाति द्वारा वर्गीकृत और

नगर पालिका की पॉलीथीन मुक्त शहर बनाने की मुहिम हुई नाकाम

प्रतिबंधित होने के बावजूद भी धड़ल्ले से हो रहा है पॉलीथीन का इस्तेमाल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाली प्लॉस्टिक-पॉलीथीन के प्रतिबंध के बाद भी शहर में उसका उपयोग हो रहा है। अमानक पॉलीथीन का रिसाइकल नहीं किया जा सकता है जो पर्यावरण को प्रदूषित करती है। दो साल पहले 1 जुलाई 2022 को भारत सरकार ने सिंगल यूज या एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक के सामानों पर प्रतिबंध लगाया है इसके बावजूद निर्देशों का पालन सही ढंग से न होने के कारण दूध डेयरी, फल-सब्जी विक्रेता, किराना, शॉपिंग मॉल, दुकानों सहित नर्मदा नदी के घाटों पर दुकानदार सिंगल यूज प्लास्टिक-पॉलीथीन में सामान बेंच रहे है। प्रतिबंध के बाद भी शहर में बड़े पैमाने पर अमानक स्तर की पॉलीथीन का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। प्रतिदिन इस्तेमाल हो चुकी पॉलीथीन कचरे के रूप में सडक़ों पर फेंकी जा रही है जिसको खाकर मवेशी भी बीमार हो रहे है। नालियों में फेंकी जाने वाली पॉलीथीन भी नाली चौक होने से पानी निकासी में भी दिक्कत होती है। वहीं नर्मदा नदी के घाटों पर श्रृद्धालओं द्वारा की जाने वाली प्लास्टिक, पॉलीथीन के उपयोग से मां नर्मदा प्रदूषित हो रही है। नगर पालिका समय समय पर अभियान चलाकर पॉलीथीन जप्त कर जुर्माना लगाने की कार्यवाही तो करती है लेकिन देखा जाएं तो अधिकतर कार्यवाही सब्जी विक्रेताओं, ठेले पर फल-सब्जी बेंचने वालों और छोटे दुकानदारों तक ही सीमित होकर रह जाती है जिसके चलते बड़े किराने की दुकान, मॉल और दूध डेयरी पर अमानक पॉलीथीन का उपयोग बेखौफ हो रहा है। जिससे नगर पालिका की कार्यवाही सार्थक नजर होती नहीं आ रही है।

दूध डेयरी पर हो रहा पॉलीथीन का इस्तेमाल

दूध डेयरी पर बिकने वाले अधिकतर खाद्य सामग्री दूध, दही, मही, पनीर आदि का विक्रय पॉलीथीन में किया जाता है। प्रतिदिन दूध डेयरी से सुबह-सुबह (प्रात~ 6 से प्रात~ 8 बजे तक) दूध अमानक पॉलीथीन में पैक कर हजारों घरों तक पहुंचाया जाता है। इसी प्रकार दिनभर संचालित होने वाली दूध डेयरी से खाद्य सामग्री पॉलीथीन में बेंची जाती है। अधिकारियों के कार्यालयीन समय से पहले ही बड़ी संख्या में अमानक पॉलीथीन की खपत हो चुकी होती है।

नर्मदा नदी और घाटों सहित भंडारों में इस्तेमाल हो रही प्लॉस्टिक

यह बड़ी विडंबना है कि जिस नर्मदा नदी को मां कहकर पुकारते है लोग उसी में पॉलीथीन के कचरे को प्रवाहित कर देते है। घाटों से लेकर नर्मदा नदी की धार तक पॉलीथीन नजर आती है। नगर पालिका ने नर्मदा नदी के सेठानी घाट पर पॉलीथीन को प्रतिबंध किया था लेकिन समय बीतने के साथ-साथ पुन~ सेठानी घाट सहित अन्य घाटों पर फिर से पूजन सामग्री बेचने के लिए पॉलीथीन का उपयोग दुकानदार कर रहे है। नर्मदा नदी के घाट के किनारे आयोजित होने वाले भंडारों में भी कुछ लोग प्लॉस्टिक के सामानों का इस्तेमाल करते है जो बाद में कचरे के रूप में देखा जा सकता है। प्रशासन की घोर लापरवाही के चलते मां नर्मदा के शीतल और पावन जल को प्रदूषित किया जा रहा है।

कचरे के ढेर में देखी जा सकती है पॉलीथीन

शहर के अधिकतर स्थानों पर कचरे के ढेर में पॉलीथीन देखी जा सकती है। नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन जो कचरा उठाया जाता है उसमें अधिकांश पॉलीथीन दिखती है। जिसको नगर पालिका ट्रेंचिंग ग्राउंड में फेंकती है जिसमें आग लगने पर उठने वाला धुंआ जन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी होता है। वहीं लोगों द्वारा पॉलीथीन में फेंकी जाने वाली खाद्य सामग्री को मवेशी खाकर बीमार हो जाते है। पॉलीथीन का उपयोग से गाय, आवारा पशुओं के साथ-साथ पर्यावरण को भी खतरा है। शासन द्वारा सिंगल यूज प्रतिबंध के बावजूद प्रतिदिन शहर में हजारों लाखों रूपए की पॉलीथीन का कारोबार किया जा रहा है जिस पर प्रशासन की लापरवाही के चलते अंकुश नहीं लग पा रहा है। शहर के अधिकतर स्थानों पर कचरे के ढेर में पॉलीथीन देखी जा सकती है। नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन जो कचरा उठाया जाता है उसमें अधिकांश पॉलीथीन दिखती है। जिसको नगर पालिका ट्रेंचिंग ग्राउंड में फेंकती है जिसमें आग लगने पर उठने वाला धुंआ जन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी होता है। वहीं लोगों द्वारा पॉलीथीन में फेंकी जाने वाली खाद्य सामग्री को मवेशी खाकर बीमार हो जाते है।

आम जन तक पहुँचाएं नए स्वरूप में लागू किए गए कानून की जानकारियां: मुख्यमंत्री

वीडियो कांफ्रेंस द्वारा सभी जिलों को दिए गए निर्देश...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल से देश में गुलामी की निशानियों को समाप्त करने के लिए विभिन्न कार्य हो रहे हैं। इस क्रम में एक जुलाई से देश में अनेक कानून नये स्वरूप में लागू होंगे। दंड के स्थान पर न्याय का महत्व बढ़ें एवं भारतीय नागरिकों को संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा हो सके, इस चिंतन से तीन विधेयक निरस्त कर नए दंडनीय विधेयक लाए गए हैं। आम जन तक इनकी जानकारी पहुँचाने के सभी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज वीडियों कान्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजों के समय से चले आ रहे ऐसे विधेयक एवं अधिनियम में भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (1898), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 शामिल हैं। भारतीय दंड संहिता 1860 को भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। दंड प्रक्रिया संहिता 1898 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। इसी तरह भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

एक पेड़ अपनी मां के नाम लगा सेल्फी लेवें..

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ अपनी मां के नाम का अभियान भी सभी कलेक्टर्स अपने जिले में चलाऐं इस अभियान के तहत जिनकी मां जिवित है वे अपनी मां के साथ एक पौधा लगाकर सेल्फी ले एवं जिनकी मां इस दुनिया में नहीं है वे पौधा लगाकर अपनी मां की फोटो के साथ सेल्फी लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पौध रोपण अभियान के तहत प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाये जाऐंगे। सभी पौधे जीवित रहे एवे उनकी सुरक्षा होती रहे। हम जो पौधा लगाए वो सरवाइव करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पौध रोपण अभियान में कलेक्टर लीड करें। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतिम दिन 30 जून को समापन कार्यक्रम के संबंध में सभी कलेक्टर्स से कहा कि जल संवर्धन का अभियान वर्ष भर चलता रहे। कुऐ, बावड़ी, नदी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य कभी न रुके।

सेवानिवृत्ति पर शिक्षक मिश्रा ने किया पौधरोपण

सिवनी मालवा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक राधेश्याम मिश्रा की सेवानिवृत होने पर स्टाफ के द्वारा विदाई समारोह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें साथी शिक्षक शिक्षिकाओं ने पुष्प गुच्छ, पुष्प माला शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। श्री मिश्रा ने शिक्षक साथियों को अपनी ओर से आशीर्वाद स्वरुप स्मृति चिन्ह भेंट किए।श्री मिश्रा का बीआरसी कार्यालय में संतोष शर्मा, निशांत पाठक विजय सिंह राजपूत आदि ने स्वागत किया वहीं शिक्षिकाओं द्वारा मिश्रा के कार्य की भजनों द्वारा प्रशंसा की गई समस्त स्टाफ शिक्षक कर्मचारियों द्वारा गाजे बाजे के साथ घर तक विदाई दी गई । उनकी सेवाकाल की प्रशंसा करते हुए प्राचार्य श्याम सिंह रघुवंशी ने कहा कि उन्होंने इमानदारी अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं लगन से कर्तव्य का निर्वहन करते हुए समस्त स्टाफ एवं बच्चों को हमेशा सही मार्गदर्शन देने का कार्य किया उनका शाला संचालन में भी महत्वपूर्ण योगदान को याद किया गया।उनका हमेशा ही वृक्षारोपण कार्य पर्यावरण संरक्षण करने का भी एक अनूठा संदेश देते रहे हैं आज भी उनकी सेवा निवृत्ति पर भी उन्होंने शाला प्रांगण में पौधारोपण कर अपनी सेवानिवृत्ति पर सभी साथियों एवं छात्राओं को महत्वपूर्ण दिवसों पर पौधारोपण करने का संदेश दिया शाला संचालन में महत्व पूर्ण योगदान को याद किया । शाला परिवार द्वारा भावपूर्ण विदाई देकर सुखमय जीवन की शुभकामना दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य श्याम सिंह रघुवंशी प्रमिला अत्रे गायत्री सोनी संगीता तिवारी अंकित श्रीवास प्रकाश व्यास देवेंद्र गौर रश्मि पुरोहित रश्मि मालवीय नीना यादव अर्चना कनौजिया कल्पना प्रजापति ज्योति गौर किरण रघुवंशी जूही साध नाजनीन कुरैशी अनीता अमोदा बृजेश अवस्थी नारायण रघुवंशी चंद्रशेखर साधना कमलेश दुबे अनीता उईके प्रतिमा अग्रवाल संतोष शर्मा निशांत पाठक विजय सिंह राजपूत अरुण बरखने मनोज रघुवंशी वार्ड 9 के पार्षद ईश्वर सिंह जमीदार निलेश लछोरिया अशोक उईके मनोज उईके आदि उपस्थित थे।

जनजीवन के सुधार में वृक्षों का होना महत्वपूर्ण : प्रसन्न हर्णे

शांति नगर में किया वृक्षारोपण कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री वरिष्ठ नेता प्रसन्न मधुकर राव हर्णे, गजेन्द्र चौहान सोशल मीडिया प्रभारी की उपस्थिति में नगर पालिका मजदूर कर्मचारी संघ द्वारा शांति नगर नई पानी कि टंकी के मैदान में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया. मजदूर संघ के उपाध्यक्ष दाताराम सगर के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई थी. मजदूर संघ की तरफ सेकार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार वर्मा मनोहर सराठे, ओमप्रकाश रावत, मूर्ति सिंह राजपूत, डॉ प्रशांत जैन, राजेश दीवान, राजकुमार नंदमेर, सुनील अवस्थी, दिलावर बेग व आस पास के निवासी भी उपस्थित थे वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ ही श्री सगर के द्वारा उपस्थित सभी लोगों को चाय नाश्ता स्वल्पाहार भी करवाया गया. श्री हर्णे ने कहां कि आज जो पृथ्वी तप रही है प्रति वर्ष गर्मी का तापमान बढ़ता जा रहा है इसकी बहुत बड़ी वजह वृक्षों कि कटाई भी है आने वाले समय में जन जीवन के सुधार में वृक्षों का होना अति महत्वपूर्ण है आज हम वृक्ष लगायेंगे तभी हमारा कल सुरक्षित रहेगा.

मजदूर संघ इस वृक्षारोपण के कार्यक्रम से यही संदेश सभी को देना चाहता है कि आलीशान भवन, यातायात के साधनों में या अन्य निर्माण कार्य में होने वाले वृक्षों कि कटाई पर रोक लगाई जावे अति आवश्यक होने पर ही वृक्षों को काटा जावे पृथ्वी कि सुरक्षा व तापमान को देखते हुए जिसके पास जितनी भूमि है उसमें वृक्षारोपण अवश्य करें जिससे भविष्य में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से जन जीवन का बचाव हो सके।

जनरल मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष बने चौधरी फरहत अली

सिरोंज। जनरल मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष चौधरी फरहत अली ने बताया है की कल दिनांक 2 जुलाई 2024 दिन सोमवार को रात्रि 8:00 बजे मुकाम चौधरी सिराज अहमद साहब अंकल के घर पर मीटिंग रखी गई है आप सभी सवारी वाले से गुजारिश है कि सभी तशरीफ लाएं आपका चौधरी फरहत अली आज जनरल मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष बनने पर सतपाड़ा हाउस में साथियों ने इस्तकबाल कर मुबारकबाद दी।

प्राचार्यों को दिया व्यावसायिक शिक्षा संचालन का प्रशिक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोक शिक्षण संचालनालय राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान मध्य प्रदेश के अंतर्गत जिले के व्यावसायिक शिक्षा संचालित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यो का एक दिवसीय प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान मीटिंग हॉल में संपन्न हुआ। ज्ञातव्य है कि जिले के कुल 48 शासकीय स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा योजना संचालित की जा रही है जिसके अंतर्गत आई.टी., हेल्थकेयर, ब्यूटी एंड वैलनेस, प्रायवेट सिक्योरिटी, एग्रीकल्चर, रिटेल, अपेरल जैसे कुल 10 ट्रेड्स में विद्यार्थियों को रोजगार मूलक शिक्षा दी जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी एस.पी.एस.बिसेन द्वारा उपस्थित प्राचार्यों को व्यावसायिक शिक्षा के महत्त्व और लाभों से अवगत कराते हुए विद्यार्थियों का ट्रेक रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश दिए गए।

ए.डी.पी.सी. राजेश गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2024-25 में 8 नए हायर सेकेंडरी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा आरंभ की जा रही है एवं सरकारी स्कूलों के छात्र छात्राओं को व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से विभिन्न व्यवसायों के लिए आवश्यक दक्षता एवं कौशल अर्जित करने के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं। व्यावसायिक दक्षता प्राप्त ये विद्यार्थी भविष्य में जहाँ एक ओर अपने मनपसंद क्षेत्र में रोजगार पा सकेंगे वहीं स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने में भी समर्थ हो सकेंगे। डी.वी.सी. प्रदीप पटवा द्वारा प्राचार्यों को योजना का व्यापक प्रचार प्रसार, विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, अतिथि व्याख्यान, औद्योगिक भ्रमण, ऑन जॉब ट्रेनिंग सहित व्यावसायिक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया जिससे प्राचार्य अपने स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन कर सकें। आई.टी.सेल सहायक समन्वयक नीलेश मीना द्वारा योजना के तकनीकी पक्षों की जानकारी दी गई।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर ने वृहद पौधरोपण हेतु तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए

जिले में वृहद स्तर पर चलेगा पौधरोपण अभियान, 20 लाख से अधिक पौधों का होगा रोपण

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

रायसेन जिले में जुलाई माह से वृहद स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर अरविंद दुबे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक सह वीडियो कॉफ्रेंस में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन विभाग, नगरीय निकाय सहित अन्य विभागों के अधिकारियों से वृहद पौधरोपण हेतु की जा रहीं तैयारियों की जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वीसी के माध्यम से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ से भी विकासखण्ड स्तर पर ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में पौधरोपण हेतु की गई तैयारियों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि पौधरोपण के साथ ही उनकी देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी है, जिससे कि पौधे बड़े होकर वृक्ष का आकार ले सकें।

कलेक्टर दुबे ने कहा कि जिले में लगभग 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जाना है। इसमें वन विभाग द्वारा 16 लाख पौधे, पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा एक लाख 40 हजार से अधिक तथा नगरीय निकायों द्वारा एक लाख 30 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। इनके अतिरिक्त अन्य विभागों द्वारा भी पौधरोपण भी किया जाएगा। इस वृहद पौधरोपण अभियान हेतु सभी संबंधित विभाग समन्वित रूप से सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। इस वृहद पौधरोपण अभियान में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, नागरिकों, युवाओं को भी जोड़ना है। इनके अतिरिक्त स्व-सहायता समूहों, स्वयंसेवी संगठनों, एनजीओ आदि को भी जोड़ा जाए।

उन्होंने वीसी के माध्यम से सांची, गैरतगंज, बेगमगंज, बाड़ी, गौहरगंज, सिलवानी, उदयपुरा आदि क्षेत्रों में पौधरोपण संबंधी व्यवस्थओं की एसडीएम, जनपद सीईओ तथा सीएमओ से जानकारी ली। कलेक्टर श्री दुबे ने कहा कि ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में शासकीय कार्यालय परिसर, स्कूल परिसर, गौशालाओं, जल संरचनाओं यथा नदी, तालाब के तटों के समीप, अमृत सरोवरों के समीप आदि स्थलों पर अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण किया जाए। वृहद पौधरोपण अभियान में जन-जन की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न माध्यमों से पर्याप्त प्रचार-प्रसार करने तथा जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

मोदी की मन की बात सुनकर मिलती है प्रेरणा: उमाकांत शर्मा

बूथ केंद्र पर सामूहिक रूप से आयोजित हुए मन की बात

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रत्येक रविवार को टेलीविजन के माध्यम से प्रसारित होने वाली मन की बात को भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ केंद्रों पर आम नागरिकों के साथ मिलकर सुना। इस मौके पर क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा भी मन की बात को सुनने देवपुर मंडल में पहूँचे। देवपुर मंडल के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रतनबरी के मतदान केंद्र क्रमांक 129 पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुँचे विधायक शर्मा ने मन की बात प्रारंभ होने के पूर्व डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इसके बाद दोपहर ग्यारह बजे से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश दुनिया के प्रेरक संस्मरणों के साथ कही जाने वाली मन की बात को बूथ केंद्र पर रहने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं एवं गाँव के नागरिकों के साथ सामूहिक रूप से सुना। इसके उपरांत उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा की

सरकार बनी है गाँव, गरीब, किसान,युवाओं ओर महिलाओं के समग्र विकास को केंद्रित कर देश और प्रदेश की भाजपा सरकारें लगातार काम कर रही हैं। प्रदेश संगठन के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश से संपूर्ण लोकसभा की 29 सीटें जीतकर भाजपा संगठन कि झोली में देकर अभूतपूर्व काम किया है। हमारी लोकप्रिय सांसद लता बानखेड़े को भी आप सभी की अथक मेहनत ने रिकार्ड वोटों से जिताया है। उन्होनें सभी कार्यकर्ताओं से अपने बूथों पर भाजपा संगठन को ओर अधिक मजबूत करने की बात कही। संगठन की मंशानुरूप आयोजित हुए मन की बात कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने मतदान केंद्र पर एकत्रित भाजपा कार्यकर्ताओं का पटका पहनाकर स्वागत भी किया। इसके उपरांत स्थानीय हनुमान मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बूथ केंद्र के भाजपा कार्यकर्ता एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

स्कूलों में कभी नहीं पढ़ाते जन शिक्षक, शाला प्रभारी स्कूल जा रहे है मनमर्जी से

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जन शिक्षक अपने उद्देश्यों से पूरी तरह भटक चुके हैं। इन्हें स्कूलों में जाकर कम से कम दो पीरियड पढ़ाना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। मॉनीटरिंग के नाम पर अंधेरगर्दी चल रही है। ज्ञात होकि अधिकतर शालायें समय के बाद खुलती है समय से पहले ही बंद हो जाती है क्यूंकि यहाँ उनकों रोकने टोकने वाला कोई नहीं है जन शिक्षक फोन करके स्कूल पहुँचते है। संकुल प्राचार्यों को नहीं देते टूर प्रोग्राम -एक संकुल अंतर्गत दो जन शिक्षक रहते हैं। जानकारी के अनुसार जब शिक्षकों द्वारा संकुल प्राचार्यों को टूर प्रोग्राम नहीं दिया जाता। उनकी सारी गतिविधियों वीआरसीसी कार्यालय से ही संचालित होती है। वहीं इनकी मौजदूगी देखी जाती है। जबकि नियम के अनुसार संकुल प्राचार्य को टूर प्रोग्राम देना चाहिए। मॉनीटरिंग रिपोर्ट भी संकुल प्राचार्यो को दिया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। कई वर्षो से यहां अंधेरगर्दी चल रही है।

संकुल पर जाकर करना होता है हस्ताक्षर

जन शिक्षकों की हाजिरी संकुल में होती है। लेकिन इनका वेतन बीआरसीसी कार्यालय से निकलता है। जानकार बताते हैं कि संकुल केन्द्रों में जन शिक्षकों की जो हाजिरी होती है, वह कभी भी वीआरसीसी कार्यालय नहीं जाती । न जानें कैसे उनकी वेतव तैयार होती है। कुल मिलाकर खुली मनमानी चल रही है। यदि ये जन शिक्षक ईमानदारी से हाजिरी का कोई हिसाब नहीं आराम के लिए जन शिक्षक प्रतिदिन दो-दो पीरियड लेने लगें, तो इसका काफी फायदा छात्रों को हो सकता है।

जन शिक्षक स्कूलों में पहुंचकर अधिकारियों जैसा रूतवा दिखाते हैं

शैक्षणिक मानीटरिंग पर उनका फोकस नहीं रहता। जन शिक्षक स्कूलों में पहुंचकर अधिकारियों जैसा रूतवा दिखाते हैं जन शिक्षक स्कूलों में जाकर कक्षाएं भी लेंना चाहिये। शैक्षणिक गुणवत्ता सहित स्कूलों की सतत् मानीटरिंग के लिए जन शिक्षकों का पद सृजन किया गया है। लेकिन इसका वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। ज्यादातर जन शिक्षकों को पढ़ाने में कोई रुचि नहीं है। वे कक्षाओं में जाकर कभी नहीं देखते कि पढ़ाई कैसी चल रही है। जन शिक्षकों की नजर कैश बुक, मध्यान्ह भोजन, निर्माण कार्य, शिक्षकों की उपस्थिति आदि तक ही सीमित रहती है। ऐसे शिक्षक जो दूर दराज पदस्थ रहते हैं, वे जन शिक्षक के रूप में मनचाहे स्थान पर पहुंच जाते हैं। इस तरह आराम के लिए जन शिक्षक बन रहे हैं।

ओवरलोडिंग वाहन तेज गति से दौड़ रहे, सड़कों पर हो रही धूल कीचड़

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

इन दिनों जल संवर्धन अभियान के तहत तालाब का गहरीकरण जन सहयोग से हो रहा है,। वहीं अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों की तो इससे लॉटरी खुल गई है ऐसा लग रहा है सुबह से लेकर देर रात तक तेज गति से इनके वाहन दौड़ते रहते हैं। अधिक फायदा लेने के चक्कर में कई वाहन चालकों के द्वारा तेज गति से वाहनों को दौड़ने का काम किया जा रहा है, इसके चलते सड़क पर भी मिट्टी गिर रही हैं। ऐसा होने के कारण सड़क पर धूल मिट्टी होने से आम जनता परेशान हो रही है इनको रोकने रोकने का काम भी जिम्मेदारों के द्वारा नहीं किया जा रहा है। समय रहते इनकी गति और ओवरलोडिंग पर रोक नहीं लगाया गया तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना भी हो सकती है वैसे यहां की तासीर प्रशासन के मन में है जब तक कोई घटना नहीं होती है तब तक जिम्मेदार ध्यान भी नहीं देते हैं अधिकारियों जनप्रतिनिधियों भी सब तमाशा देखते रहते हैं। तालाब गहरीकरण होने से इस बार सबसे ज्यादा फायदा शहर के आसपास अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों के द्वारा उठाए जा इनके द्वारा तालाब में से निकल रही मिट्टी को अपनी कॉलोनी में डलवाने का काम की जा रहा है। इसके तालाब में दो बड़ी मशीनों के साथ छोटी-छोटी जेसीबी चल रही है जिनकी सहायता से डंफर और ट्रैक्टर ट्रालियों को भरने का काम किया जा रहा है ।प्रतिदिन बड़ी मात्रा में डंफर और ट्रैक्टर ट्राली यहां पर सर पट दौड़ रहे हैं मिट्टी ले जाते समय सावधानी भी नहीं बरतती जा रही है कई वाहनों को नाबालिक भी चलाते हुए नजर आ रहे हैं । ओवरलोडिंग के रूप में इनके भर दिया जाता है गति अधिक होने के कारण इनमें से मिट्टी सड़क पर गिर रही है बारिश होने पर यह मिट्टी कीचड़ के रूप में तब्दील हो जाएगी इसकी वजह से नगर वासियों को आने जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा दो पहिया वाहन कीचड़ के कारण दुर्घटना का शिकार भी होंगे वहीं धूल के कारण वैसे ही लोग परेशान हो रहे हैं दूसरी और इन बहनों की गति अधिक होने के कारण इनमें से गिर रही मिट्टी से भी धूल हो रही है वाहनों के आने-जाने के दौरान धूल का गुब्बार सड़कों पर दिखाई देता है । इनकी मनमर्जी पर लगाम लगाने के लिए नगर पालिका प्रशासन तथा यातायात विभाग के जिम्मेदार ध्यान देते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं कि ओवरलोडिंग करके इन वाहनों को तेज गति से दौड़ने का तालाब सुबह से लेकर देर रात तक हो जाता है बस स्टैंड से लेकर तहसील और थाने के सामने से भी वाहन आ जा रहे हैं। तालाब का सही तरीके से गहरी कारण होने पर इसका फायदा भी मिलेगा पर गहरीकरण के नाम पर आम जनता को परेशान करना भी कहीं से कहीं तक उचित नहीं है इस तरफ भी जिम्मेदारों को ध्यान देना होगा जन सहयोग से होने वाला काम उसी भावना से होना चाहिए अभी तक इस भावना से काम नहीं हो रहा है। यहां से सिर्फ अबैध रूप कॉलोनी वाले जरूर ज्यादा फायदा हो रहा है। यदि इनके अंदर अच्छी भावना हो तो यह जिन वाहनों से तालाब में से मिट्टी आदि लेकर अपनी कॉलोनीयों तक जा रहे हैं तो ऐसे वाहन चालकों को हिदायत भी दे सकते हैं कि वाहनों को अधिक ना भरे और तेज गति से ना चलाएं।

कॉलोनी काटने वालों की हुई चांदी

शहर में चारों तरफ 70 से अधिक अवैध कॉलोनी आकर ले रही है इनमें से अधिकांश कॉलोनियों बगैर अनुमति की काटी जा रही है इनके के द्वारा आम जनता को मूर्ख बनाने के लिए सड़क आदि बनाने के लिए मटेरियल की आवश्यकता होती है उसके लिए इन्हें अधिक राशि चुकानी पड़ती है पर तालाब गहरीकरण से निकल रही मिट्टी कम खर्चे में इनको मिल रही है इसीलिए सबसे ज्यादा उपयोग इसका इनके द्वारा किया जा रहा है गहरीकरण से मिट्टी निकालने का फायदा इनको ज्यादा हो रहा है या फिर काहे की इस समय इनकी चांदी हो रही है। 30 जून तक तालाब गहरीकरण का कार्य चलेगा और मिट्टी ले जाने पर किसी भी तरह की कोई रॉयल्टी नहीं देनी पड़ रही है इस वजह से सुबह 7 से लेकर देर रात तक छोटे-बड़े वाहन तालाब में से चारों तरफ दौड़ते रहते हैं।

रफ्तार पर ब्रेक नहीं लगेंगी तो हो सकती है घटना

तालाब में से मिट्टी ले जाने वाले वाहन चालकों की रफ्तार अधिक होने से घटना दुर्घटना होने का अंदेशा बना हुआ है। नवीन बस स्टैंड पर स्कूल हैं जो खुल भी गए हैं इसके अलावा बैंक है तथा तहसील कार्यालय में आने जाने के साथ बस स्टैंड है यातायात का दबाव रहता है फिर भी यहां पर तेज गति से दौड़ रहे है वाहनों पर ब्रेक लगाने का काम यातायात बिभाग नहीं कर रहा है। शायद किसी तरह की घटना दुर्घटना होने के बाद जिम्मेदार गहरी नींद में से जागेंगे।

इनका कहना है -

हमारे द्वारा लगातार जांच की जा रही है समझाई दी है इसके बाद भी यदि यह नहीं मान रहे है तो चालानी कार्रवाई करेंगे।

***रितेश वाघेला**, यातायात प्रभारी*

श्रमदान से शमशान घाट को आदर्श बनाने का हो रहा है काम

सिरोंज। पिछले कई महीनो से श्रमदान से ब्रह्म घाट वाले श्मशान घाट का कायाकल्प कर दिया है। यहां पर सभी व्यवस्थाएं हो रही है और यहां की सुंदरता भी देखते ही बनती है। यह सब कार्य यहां पर जनसंयोग तथा श्रमदान से संपन्न हो रहे हैं। रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने श्रमदान किया सफाई के लिए यहां पर द्वारा सफाई सप्ताह का आयोजन किया गया जो 21 जून से 30 जून चलाया गया मानना लटेरी रोड स्थित ब्रह्म घाट के पूरे परिसर की सफाई की गई इस सफाई सप्ताह में जगह जगह पौधे लगाने का कार्य भी किया गया। इस दौरान राकेश सक्सेना, जगदीश शाक्य ,प्रदीप राठौर ,अनिल राठौड़, रोहित यादव, गौरव जड़िया ,शेर सिंह भदोरीय, राकेश भार्गव, गुलाब सिंह कुशवाहा आदि लोग मौजूद थे ।

रात में बारिश होने से मिली राहत

सिरोंज। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद अधिकांश ग्रामों में किसानों ने कम बारिश होने पर भी खरीफ फसल की बोनी कर दी पर बारिश नहीं होने से उनकी फसल खराब हो रही थी इसका डर भी किसानों को सता रहा था दूसरी ओर गर्मी के कारण लोगों की हालत भी खराब हो रही है ज्यादा परेशानी उमेश के कारण हो रही है।शनिवार रविवार की रात्रि में बारिश होने से तापमान में भी गिरावट हुई वहीं किसानों के चेहरों पर भी राहत देखने को मिली बारिश नहीं होने पर फसल खराब होने का डर बना हुआ था उसमें भी जान आ गई है। वहीं पानी की किल्लत में भी धीरे-धीरे करके कमी आने लगी है ।

अबैध शराब का अड्डा बना मंडी परिसर

सिरोंज। नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में अवैध रूप से शराब से लेकर नशीले पदार्थ का कारोबार जोर-जोर से किया जा रहा है। आबकारी और पुलिस प्रशासन के द्वारा कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति की जाती है । ठोस कार्रवाई नहीं होने से अवैध रूप से शराब से लेकर नशीली पदार्थ का कारोबार करने वालों के हौसले बुलंद हो गए हैं इनके द्वारा खुलेआम इस कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है।

शहर के विभिन्न स्थानों पर खुलेआम नशीले पदार्थों को बेचने का काम किया जा रहा है। युवा पीढ़ी का भविष्य प्रभावित हो रहा है इसकी जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं। वहीं पिछले कई दिनों से कृषि उपज मंडी के परिसर के अंदर भी अवैध रूप से शराब सप्लाई करने का काम किया जा रहा है यहां पर कच्ची शराब बेचने वाले भी सुबह से लेकर देर शाम तक घूमते रहते हैं शराब के नशे में धुत्त होकर कई बार हम्मलो विवाद करते हैं कई बार किसानों के साथ मारपीट तथा अवध व्यवहार भी करते है । क्योंकि अधिकांश हमम्ल तुलावटों नशे में काम करते हैं। इसके चलते आपस में विवाद करते रहते हैं ।इसके बाद भी आबकारी विभाग तथा पुलिस प्रशासन के द्वारा अवैध रूप से शराब की विक्रय मंडी के परिसर में करने वालों पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है । छुट्टी के दिन भी यहां पर इनकी भीड़ देखने को मिलती है। वहीं देखना है कि अवैध रूप से नशे का कारोबार करने वालों पर प्रशासन के द्वारा कार्रवाई की जाएगी या फिर इसी तरह इनका कारोबार खुलेआम चलता रहेगा ।

मेट्रो एंकर

भ्रष्टाचार में लिप्त ग्राम पंचायतों में जम कर चला रहा है फर्जीवाड़ा

ईमानदारी का मुखौटा लगाकर सरपंच-सचिव जनता की गाढ़ी कमाई की लगा रहे बंदरबांट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ग्राम पंचायत बावली

किसी भी खबर को जिम्मेदार अधिकारी द्वारा गंभीरता पूर्वक नहीं लेना और अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते हुये भागना भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिव को संरक्षण देना नहीं है तो और क्या है। जनपद पंचायत नटेरन अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतें बरखेड़ा मांखू, बाढेर, बरोदिया, रायखेड़ी, जैसी कथित भ्रष्टाचार की लगातार खबरें सामने आने के बाद सिर्फ ग्राम पंचायत बाढेर के संबंध जांच आदेश जारी किया गया जो कि महज कागजी खानापूर्ति साबित हुआ। अधिकारियों के ढुलमुल रवैया की वजह से ग्राम पंचायत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही हैं,और सरपंच सचिव अपनी मनमानी कर रहे हैं। फर्जीवाड़ा करके पैसे निकाल रहे निर्माण कार्यों में घटिया मटेरियल का बिना लेव टेस्टिंग के उपयोग कर रहे हैं। मटेरियल टेस्टिंग के नाम पर निर्माण कार्य में उपयोग किये जा रहे मटेरियल के टेस्टिंग की दिखाने के लिये रशीद कटवा कर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाते है।

जिस में क्लस्टर इंजीनियर की भूमिका भी संदेहास्पद होती है। क्योंकि मटेरियल टेस्टिंग की रशीद देख कर इंजीनियर सरपंच सचिव के मुताबिक काम करने लगते हैं।

ग्राम पंचायत बरखेड़ा मांखू, बरोदिया, रायखेड़ी की कौन जांच करवायेगा कौन कार्यवाही करेगा या फिर मामले को शांत करने के लिए एक ग्राम पंचायत बाढेर के संदर्भ जारी किया गया जांच आदेश जैसा एक जांच आदेश निकाला जायेगा जो कागजी खानापूर्ति साबित होगा और उसके बाद ठंडे बस्ते में चला जायेगा,कार्यवाही नहीं होने से बरखेड़ा माखू,रायखेड़ी, बरोदिया,के सरपंच सचिव के हौसले बुलंद हैं,और ग्राम पंचायत बाढेर के सरपंच सचिव के इसलिये हौसले बुलंद हैं क्योंकि दिनांक 25-05-2024 को जारी किया गया जांच आदेश एक महीने से अधिक का समय गुजर जाने के जांच के नाम पर ठंडे बस्ते की शोभा बढ़ा रहा है,भ्रष्टाचार में लिप्त भ्रष्टों के खिलाफ चलती रहेगी कलम और बेनकाब करते हुऐ आईना दिखाते रहेंगे ना डरेंगे ना झुकेंगे।

हॉकी: भारत का 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से मुकाबला

पेरिस ओलिंपिक के लिए भारतीय टीम घोषित

नईदिल्ली, एजेंसी

हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलिंपिक के लिए 16 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम का ऐलान कर दिया। टीम की कमान हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है तो मिडफील्डर हार्दिक सिंह को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। हरमनप्रीत की अगुवाई में टीम इंडिया 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले पेरिस ओलिंपिक में हिस्सा लेगी। हरमनप्रीत का ये तीसरा ओलिंपिक होगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ 5 युवा खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है, जो ओलिंपिक डेब्यू करेंगे। टीम में अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और मिडफील्डर मनप्रीत सिंह भी शामिल हैं, जो दोनों अपना चौथा ओलिंपिक खेलेंगे। डिफेंस लाइन में हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित और संजय शामिल हैं, जबकि मिडफील्ड में राज कुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद का योगदान देखने को मिलेगा। फॉरवर्ड लाइन में अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह और गुरजंत सिंह जैसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

5 खिलाड़ी करेंगे ओलिंपिक डेब्यू

गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, मिडफील्डर नीलकांत शर्मा और डिफेंडर जुगराज सिंह को रिजर्व प्लेयर के रूप में चयन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि जरमनप्रीत सिंह, संजय, राज कुमार पाल, अभिषेक और सुखजीत सिंह वे पांच खिलाड़ी हैं, जो पेरिस में अपना ओलिंपिक डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

पूल बी में भारत, 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से मुकाबला

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने अभियान का आगाज 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। भारत को पूल बी में रखा गया है। भारतीय टीम को टूर्नामेंट के पूल बी में रखा गया है। टीम इंडिया के साथ पूल बी में बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड है। जबकि पूल ए में नीदरलैंड, स्पेन, जर्मनी, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन और साउथ अफ्रीका हैं। ग्रुप स्टेज में टीमें एक-दूसरे से एक बार मुकाबला करेंगी। हर पूल से टॉप-4 टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। पेरिस-2024 ओलिंपिक हॉकी मेडल राउंड मैच 8 अगस्त को तय किए गए हैं।

टोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीताने वाले 10 खिलाड़ी

भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन कर ओलिंपिक 2020 में जर्मनी को 5-4 के अंतर से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। इस मैच को जीतने के बाद भारत ने 41 साल बाद ओलंपिक में हॉकी का मेडल जीता। इससे पहले भारत ने वासुदेवन भास्करन की कप्तानी में 1980 के मॉस्को ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक 2024 की टीम में भारत को ब्रॉन्ज जिताने वाले 10 खिलाड़ी है।

अगले टी-20 कप्तान के लिए पंड्या की दावेदारी सबसे मजबूत

ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह भी रेस में

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया है। चैंपियन बनते ही टीम के 3 दिग्गजों ने टी-20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया, इनमें विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के साथ कप्तान रोहित शर्मा भी रहे। अब हमें अगला टी-20 वर्ल्ड कप कौन सा कप्तान जिताएगा...क्या वह फाइनल चेंजिंग कैच पकड़ने वाले सूर्यकुमार यादव होंगे। खतरनाक साबित हो रहे क्लासन और मिलर को पवेलियन भेजने वाले हार्दिक पंड्या होंगे, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट जसप्रीत बुमराह या फिर मौत को मात देकर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले मिरेकल मैन ऋषभ पंत होंगे। कौन होगा जो 2026 में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की कप्तानी करेगा। इस सवाल का जवाब हम इस स्टोरी में जानने की कोशिश करेंगे...

हार्दिक पंड्या कप्तान बनने के दावेदारों की रेस में सबसे आगे हैं। उनके पास टी-20 इंटरनेशनल में 100 मैचों का अनुभव है, जो अन्य किसी दावेदार के पास नहीं है। पंड्या ने 16 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारत की कप्तानी की है, इनमें से टीम ने 10 मुकाबले जीते। गुजरात को पहले सीजन में आईपीएल चैंपियन बनाया हार्दिक ने अपनी लीडरशिप स्किल से गुजरात टाइटंस को पहले ही सीजन में आईपीएल 2022 का चैंपियन बना दिया। 2023 में भी खुद को साबित किया और टीम को लगातार दूसरे फाइनल में पहुंचाया, हालांकि टीम रनर-अप रही। 90त्न बाइलेटरल सीरीज में भारत को जीत दिलाई पंड्या ने 5 बाइलेटरल सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी की है। इनमें से भारतीय टीम ने 4 में जीत हासिल की है। टीम को सिर्फ एक सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस ने हार्दिक को नया कप्तान बनाया। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 15 करोड़ रुपए में गुजरात से ट्रेड किया, लेकिन वे लीडरशिप संभाल नहीं सके और टीम पॉइंट्स टेबल के निचले पायदान पर रही। पंड्या टी-20 इंटरनेशनल में अब तक 1492 रन बना चुके हैं, लेकिन अपनी कप्तानी में उनका प्रदर्शन कमजोर रहता है।

भारतीय महिलाओं के नाम टेस्ट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर

एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया शानदार रेकॉर्ड

चेन्नई, एजेंसी

बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मुकाबले में पहली पारी छह विकेट पर 603 रन का विशाल स्कोर बनाकर घोषित कर दी। इसके साथ ही भारत के नाम टेस्ट क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर दर्ज हो गया है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का रेकॉर्ड तोड़ा, जिसने इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही नौ विकेट पर 575 रन बनाए थे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में चार विकेट पर 236 रन बना लिए थे। भारतीय स्पिनर स्नेह राणा ने तीन विकेट चटकाए।

दो दिन बाद महंगा पड़ेगा मोबाइल रिचार्ज, कंपनियों ने बढ़ाया टैरिफ

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

आम चुनाव और 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी खत्म होते ही मोबाइल रिचार्ज करना महंगा हो गया है। टेलीकॉम कंपनियों ने टैरिफ में बढ़ोतरी की घोषणा की है। रिलायंस जियो ने टैरिफ में 12 फीसदी से 26 फीसदी तक बढ़ोतरी की घोषणा की। इसके दूसरे ही दिन भारती एयरटेल ने भी मोबाइल टैरिफ की दरों में 10 फीसदी से 21 फीसदी तक इजाफे का एलान कर दिया। बढ़े हुए टैरिफ 3 जुलाई से लागू होंगे। इस घोषणा से पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों प्लान महंगे होंगे। जियो और एयरटेल के बाद अब वोडाफोन आइडिया की ओर से भी रेट बढ़ाने की आशंका है। टेलीकॉम कंपनियों ने नवंबर 2021 के बाद पहली बार टैरिफ में बड़ा इजाफा किया। इसका मकसद रेवेन्यू बढ़ाना है। जानकारों ने कहा, जियो और एयरटेल ने 5जी सेवाएं शुरू करने के लिए 2 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है, लेकिन इस पर रिटर्न नहीं मिला है। इस वजह से मोबाइल टैरिफ के साथ ब्रॉडबैंड सर्विस का टैरिफ भी बढ़ाया गया है। रिलायंस जियो ने 1 जीबी डेटा वाले एडिशनल डेटा प्लान की कीमत 15 रुपए से

बढ़ाकर 19 रुपए कर दी है। वहीं, 2 जीबी वाला प्लान 25 रुपए के बदले 29 रुपए और 6 जीबी वाला प्लान 61 रुपए के बदले 69 रुपए में मिलेगा। इसी तरह एयरटेल का 1 जीबी एडिशनल डेटा प्लान 22 रुपए में और 2 जीबी वाला प्लान 33 रुपए में मिलेगा। कंपनी ने 4 जीबी एक्सट्रा डेटा वाले प्लान की कीमत 65 से बढ़ाकर 77 रुपए कर दी है। अब 15 जीबी एडिशनल डेटा के लिए 148

डोप में फंसे डीपी मनु का टूट सकता है ओलंपिक में खेलने का सपना

नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगाया

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के 24 वर्षीय युवा जेवेलिन थ्रोअर (भालाफेंक) एथलीट डीपी मनु के लिए मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। डोपिंग में फंसे मनु का 26 जुलाई 2024 से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने का सपना टूटता हुआ नजर आ रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एंजेसी (नाडा) ने एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआइ) को निर्देश देते हुए कहा है कि वह यह सुनिश्चित करे कि डीपी मनु किसी भी प्रतियोगिता में शिरकत नहीं कर सकें। इस कारण मनु के नेशनल इंटर-स्टेट चैंपियनशिप में भाग लेने पर भी रोक लग गई है। नाडा ने एक

घरेलू प्रतियोगिता के दौरान डीपी मनु का डोप टेस्ट लिया जिसमें वह पॉजिटिव पाए गए। उनके ऊपर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया। एशियन चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले डीपी मनु पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने के बेहद करीब हैं।

पूर्व ओलंपियनों को मेडिकल सुविधा व पेंशन देने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आइओए) पूर्व ओलंपिक एथलीटों को स्वास्थ्य बीमा पेंशन देने की योजना पर विचार कर रहा है। इस बारे में आइओए एथलीट और पूर्व दिग्गज धाविका पीटी ऊषा ने कहा कि उन्होंने आइओए की कार्यकारी समिति को ये सिफारिशें प्रस्तावित की हैं, जो जल्द ही इस पहल पर विचार-विमर्श करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि आइओए की कोशिश है कि इस योजना पर आने वाले ज्यादातर खर्चे को वह खुद ही स्वतंत्र रूप से वहन करें। पीटी ऊषा ने कहा, हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व एथलीटों का समर्थन करने के लिए आइओए की ओर से एक छोटा सा कदम है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों को याद रखना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए।

अब देश में ज्यादा बिकने लगी हाइब्रिड-कारें

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर के ट्रेंड्स में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। देश में लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल से दोगुनी कीमत होने के बावजूद हाइब्रिड कारों पर भरोसा कर रहे हैं। अप्रैल-जून के बीच हाइब्रिड व्हीकल ने ईवी बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। वाहन डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक, देश में अप्रैल से 11 जून के बीच 7500 हर महीने के हिसाब से 15,000 ईवी बिकीं, जबकि हाइब्रिड की बिक्री 59,814 रही। प्योर इलेक्ट्रिक कारें 8 लाख रुपए से शुरू होती हैं। वहीं, हाइब्रिड कारों की कीमत 17 लाख से शुरू है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, फरवरी में अमेरिका में भी ईवी बिक्री की तुलना में हाइब्रिड की बिक्री पांच गुना तेजी से बढ़ी है। ईवी में रेंज एंग्जाइटी यानी कम चार्जिंग में लंबी दूरी तय करने को लेकर चिंता भी बरकरार है। हाइब्रिड कारें इस चिंता से निजात दिलाती हैं। बैटरी चार्ज नहीं होने की स्थिति में पेट्रोल से चला सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक हाइब्रिड कारें कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मददगार हैं। देश को महंगे कच्चे तेल के आयात में कटौती करने में मदद मिलती है। हाइब्रिड व्हीकल में पेट्रोल या डीजल जैसे इंटरनल कंबशन इंजन के साथ ही इलेक्ट्रिक बैटरी भी होती है, जो कार की रेंज और फ्यूल एफिशिएंसी बढ़ाने में मददगार है। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड, माइल्ड हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड और प्योर इलेक्ट्रिक वाहनों की लोकप्रियता बढ़ रही है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अभिनय में नहीं आना चाहती थीं नरगिस फाखरी, एक ईमेल ने दिलाया पहला ब्रेक

रॉकस्टार फिल्म से चर्चित हुईं अभिनेत्री नरगिस फाखरी ने कहा है कि वह अभिनय और बॉलीवुड में आने को लेकर नहीं सोचती थीं, लेकिन अचानक से आए ईमेल ने उन्हें बॉलीवुड और अभिनय की दुनिया में प्रवेश दिलाया। नरगिस फाखरी को हम हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री के रूप में जानते हैं। वह अभिनेता रणबीर कपूर के साथ फिल्म रॉकस्टार में नजर आई थीं। फिल्म में हीर कौल का किरदार निभाकर वह रातों-रात मशहूर हो गईं। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था। इस फिल्म के बाद उन्हें कई और फिल्में मिलीं। इस दौरान उन्होंने कई अच्छे निर्देशकों के साथ काम किया। इसके बाद वह कुछ और फिल्मों में नजर आईं। अपने अभिनय करियर को लेकर अभिनेत्री ने हाल में ही एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। नरगिस ने हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अभिनय और बॉलीवुड को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि वह अभिनय की दुनिया और बॉलीवुड में कभी आना नहीं चाहती थीं, लेकिन एक ईमेल ने उनके करियर की दिशा इस तरफ मोड़ दी। अभिनय के इस सफर को उन्होंने अप्रत्याशित रोमांच बताते हुए कहा कि यह सब एक ईमेल से शुरू हुआ था, जिसका जवाब देने के फैसले ने उन्हें बॉलीवुड में पहला बड़ा ब्रेक दिलाया। उन्होंने अपने करियर को लेकर कहा कि जो भी हुआ वह पूरी तरह से उनकी किस्मत थी। रॉकस्टार हाल ही में फिर से सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। दर्शक अभी भी इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। इंटरव्यू के दौरान नरगिस ने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म और सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने उन्हें एक अभिनेता के रूप में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने का मौका दिया। इस फिल्म की लोकप्रियता को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें आश्चर्य होता है कि रिलीज के इतने वर्षों के बाद भी यह फिल्म दर्शकों को इतनी पसंद है। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनका झुकाव एक्शन और कॉमेडी फिल्मों के प्रति ज्यादा है। उन्हें स्टंट करना और मजबूत किरदार निभाना पसंद है। उन्हें एक्शन फिल्मों का रोमांच काफी ज्यादा आकर्षित करता है। वहीं, कॉमेडी फिल्मों को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि यह एक विद्या है, जो उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को बाहर लाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि उन्हें हंसाना पसंद है। बात करें नरगिस के वर्क फ्रंट की तो वह अपनी अगली फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग फिलहाल चल रही है।

'पद्मावत' एक्टर जिम ने दी सफाई बोले- मेरा बयान रणवीर के लिए नहीं था

संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत में रणवीर सिंह ने अलाउद्दीन खिलजी का किरदार निभाया था। रणवीर के मुताबिक खिलजी के रोल के लिए उन्होंने खुद को 21 दिनों के लिए अपने गोरेगांव वाले घर में लॉक कर लिया था। उन्होंने ये भी कहा था कि उस बारे में वो ज्यादा नहीं बता सकते, क्योंकि वो काफी डार्क एक्सपीरियंस था। इतना ही नहीं एक्टर ने कहा था कि इस किरदार से निकलने में उन्हें काफी मुश्किल हुई थी। रणवीर का ये बयान साल 2018 में आया था। उसके बाद साल 2023 में क्विंट को दिए एक इंटरव्यू में एक्टर जिम सर्भ ने कहा था, कुछ ऐसे भी आर्टिस्ट हैं, जो कहते हैं, 'आप जानते हैं मैं अपने कैरेक्टर में इतना फंस गया था कि मुझे हफ्तों तक मेंटल थेरेपी करानी पड़ी थी, मैं उस समय ऐसा था कि चुप रहो भाई। आपको उस दिन अपनी लाइनें भी नहीं पता थीं, क्या बकवास है। जिम का ये बयान एक बार फिर से चर्चा में है और कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने इस बयान के जरिए रणवीर सिंह पर निशाना साधा था। वहीं नवाजुद्दीन समेत कई एक्टर्स ने इस मुद्दे पर अपनी राय भी दी। मुद्दे के बढ़ने के बाद जिम सर्भ ने इस पर सफाई दी है। जिम सर्भ ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- मुझे सफाई देना बहुत बेतुका लगता है, लेकिन चूंकि लोग वीडियो और आर्टिकल में जमकर पार्ट ले रहे हैं। मैं बता दूं, मैंने जो कुछ भी कहा था उसमें रणवीर सिंह का कोई जिक्र नहीं है। शेयर किया जा रहा वीडियो 'मेड इन हेवन सीजन 2' के प्रमोशन के दौरान का है। 'पद्मावत' रिलीज होने के पूरे 5 साल बाद का। 5 साल तक मेरे पास रणवीर के बारे में कहने के लिए सिर्फ अच्छी बातें थीं- उनके बारे में मैं अभी भी अच्छी बातें करता हूं। मेरा बयान उन एक्टर्स के लिए है, जो अपने प्रोसेस को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं। मुझे यकीन है कि आप सभी ऐसे लोगों से मिले होंगे जो अपना काम करने से ज्यादा अपने काम के बारे में बातें करते हैं। जिम जल्द ही शेखर कम्मुला की फिल्म कुबेर से टॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। इस फिल्म में धनुष, रश्मिका मंदाना और नागार्जुन मुख्य भूमिका में हैं।

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म औरों में कहां दम था की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। ये रोमांटिक-थ्रिलर फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को नीरज पांडे ने निर्देशित किया है। दर्शक लंबे वक्त बाद एक बार फिर पर्दे पर अजय और तब्बू की जोड़ी देखने के लिए उत्सुक हैं। एक इंटरव्यू में तब्बू ने कहा कि मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे का ख्याल बहुत रखते हैं। वैसे भी कैमरे के सामने भी और लाइफ में भी, मतलब आपका रिश्ता वैसा है तो वो प्रोफेशन में भी छलकेगा। ऐसा नहीं हो सकता कि आप एक-दूसरे को इतना चाहते हैं और आ एक-दूसरे के इतने करीब हैं, दोस्त हैं और आप एक-दूसरे का ख्याल न रखो। या फिर आप किसी नुकसान से उन्हें न बचाओ, ये संभव नहीं है। किरदार तो कहानी के हिसाब से ही होगा, क्योंकि हर कहानी अलग होती है। जाहिर है कि कहानी की डिमांड के हिसाब से आपकी भूमिका होती है। इसमें किरदार से ज्यादा कहानी है। मैंने कुछ सीन सुने और मुझे कहानी बहुत ही खूबसूरत लगी और मैं खुश हो गई कि ये दो किरदारों की कहानी है। बहुत कम देखने को मिलता है कि चंद किरदारों के बारे में आप पूरी फिल्म में उनकी जर्नी देखें। अलग-अलग क्षण, इमोशनल जर्नी देंखें। तो कलाकार के लिए भी चैलेंजिंग तो नहीं लेकिन दिलचस्प जर्नी होती है कि आपको उन सारे दौर से गुजरने का मौका मिलता है। तो बस इस किरदार के लिए न बोलने या सोचने का सवाल ही नहीं था। उन्होंने बताया कि मेरे नाना-नानी दोनों ही पढ़ाते थे। मेरी नानी 47 साल तक टीचर थीं और मेरे नाना गणित के प्रोफेसर थे। तो ये सारा किताबों का माहौल और सिर्फ उसकी वजह से नहीं, मेरी सभी खाला और पांच मामू वो सभी किताबों के कीड़ें हैं। उनके पास हर चीज की किताबें थीं। मुझे लगता है कि मैं बहुत लकी हूं कि मेरे आस पास हर इंसान को पढ़ने का शौक था। मेरी एक खाला हैं, जो रात में आधा घंटा पढ़े बिना सो नहीं सकतीं। खैर मैं अपने प्रोफेशनल के चलते हर रोज नहीं पढ़ती। मगर मैं कोशिश करती हूं कि पढ़ सकूं। हम सभी लोग कहानियों के साथ बड़े हुए हैं।

शराब के कारण आए दिन दंपती में होती थी कहासुनी

शराब पीकर घर पहुंचे पति को दी समझाइश तो लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित राम मंदिर के पास जाटखेड़ी में सुबह युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि शराब के नशे में रात में उसकी पत्नी से कहासुनी हुई थी। पुलिस के अनुसार कमलेश अहिरवार पिता लालाराम अहिरवार (32) राम मंदिर के पास जाटखेड़ी में रहने वाले पंकज पटेल के कमरे में रहता था। कमलेश के ससुर का पास ही मकान बन रहा है और वह मकान में काम करता था। ससुर भी पास ही अलग कमरे में परिवार के साथ रह रहे हैं। कमलेश की पत्नी संगीता अहिरवार ने पुलिस को बताया कि कमलेश और उसके दो बच्चें हैं। प्रतिदिन ममलेश शराब पीकर घर लौटता था। इसी बात को लेकर उनसे कहासुनी होती थी। शनिवार रात भी कमलेश शराब पीकर घर लौटा था। संगीता ने उसे शराब न पीने की बात कही तो उसकी कहासुनी हो गई। कहासुनी बड़ने पर रात करीब साड़े 11 बजे संगीता अपने बच्चों को लेकर माता पिता के पास चली गई। वहां से रविवार सुबह लौटे तो कमरे में कमलेश का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला।

खेत में मिला किसान का शव

इधर, खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा बोंदर में खेत में किसान की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक शराब पीने का आदी था। पुलिस के अनुसार मखमल मीणा पिता रूपराम मीणा (45) बरखेड़ा बोंदर में रहता था। वह पांच भाइयों में चौथे नंबर काड़था। उसके दो अन्य भाई खेत पर रहते हैं और अविवाहित हैं, जबकि गांव में दो विवाहित भाई रहते हैं। मलखान और उसके अविवाहित भाई खेत पर बने मकान में रहते थे। उसके भाइयों ने बताया कि मखमल शराब पीने का आदी था। रविवार सुबह उसकी लाश मकान से कुछ दूरी पर खेत में पड़ी मिली। पुलिस का अनुमान हैड़कि शनिवार रात वह शराब के नशे में खेत में गिरा होगा और रात भर वहीं पड़ा रहा। सुबह भाइयों की नजर पड़ी तो वह एंबुलेंस से उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं।

एक्टिवा से भदभदा पहुंचे युवक ने तालाब में लगाई छलांग, चाबी के गुच्छे में कागज पर मोबाइल नंबर की पर्ची लगाई

भोपाल। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा पुल से एक युवक ने छलांग लगा दी। वह रविवार सुबह करीब साड़े 8 बजे घर से निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बाहर निकालकर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी है। आज पीएम के बाद परिजन के बयान लेने के प्रयास किए जाएगे। पुलिस के अनुसार भदभदा पुलिया पर कुछ लोगों ने एक एक्टिवा खड़ी देखी थी। एक्टिवा में चाबी लगी थी और चाबी के गुच्छे के बीच एक मोबाइल नंबर लिखाड़था। एक्टिवा लंबे समय तक चाबी लगे होने के बाद खड़ी रहने से लोगों को अनहोनी की आशंका हुईड़और उन्होंने चाबी के पास लगी पर्ची में लिखे नंबर पर कॉल किया। उक्त नंबर अवधपुरी निवासी हरीष पटेल का निकला। हरीश पटेल भदभदा पहुंचे और लोगों की मदद से उन्होंने आसपास तालाब में देखा, लेकिन कुछ नजर नहीं आया। इसके बाद वहां मौजूद गोताखोरों को बताया। गोताखोरों ने तालाब में सर्चिंग की तो उन्हें एक युवक की लाश मिली। लाश देखने पर हरीष पटेल ने बताया कि लाश विवेक सिंह पिता स्वर्गीय एपी सिंह (34) जीटू साक्षी ढाबा के पीछे रातीबड़ की है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। हरीष ने बताया कि विवेक सिंह सीएट कंपनी में काम करता था और रविवार सुबह घर से निकलाड़था। उसने आत्महत्या क्यों की इसकी जांच की जा रही है।

नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, *परिजन बोले*- गांजा और सूखे नशे का था आदी

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित महामाई का बाग इलाके में रविवार शाम 17 साल के नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि वह गांजे समेत अन्य सूखे नशे करने का आदी था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद नाबालिग का शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार अनुज माली पिता भूपेंद्र माली (17) महामाई का बाग ऐशबाग में रहताड़था और प्राइवेट काम करता था। वह सूखे नशे का आदी था। उसके चाचा राजेंद्र माली, अनुज के घर से कुछ दूरी पर रहते हैं। उन्होंने रविवार शाम पुलिस को सूचना दी थी कि अनुज ने अपने कमरे में फांसी लगा ली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खोला और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया।

काटजू अस्पताल के पास मुख्य सड़क पर बाइक सवार लुटेरों की करतूत

सीएम हाउस के कर्मचारी से मोबाइल लूटने वाले लुटेरों का नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित काटजू अस्पताल के पास मुख्य सड़क पर परिजन से वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे सीएम हाउस के कर्मचारी से पल्सर बाइक से लुटेरो ने मोबाइल झपट लिया। घटना 26 जून शुक्रवार रात करीब सवा दस बजे के आसपास की है। चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को लुटेरों का सुराग नहीं लगा। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, लेकिन रात के फुटेज होने के कारण लुटेरों की बाइक का नंबर और चेहरा साफ नजर नहीं आ रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर कॉलोनी, श्यामला हिल्स निवासी 44 साल के धीरेंद्र शर्मा, सीएम हाउस के मीडिया सेल में फोटोग्राफर है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह दफ्तर से निकलने के बाद बाइक से जवाहर चौक स्थित भोजनालय जा रहे थे। वे काटजू अस्पताल के सामने मुख्य रोड पर पहुंचे ही थे कि सवा दस बजे के आसपास उनके मोबाइल पर वीडियो कॉल आया। वे वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे थे, तभी पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों में पीछे बैठे लुटेरे ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बाइक चला रहा लुटेरा बाइक तेजी से लेकर भागने लगा। धीरेंद्र ने बाइक सवारों का पीछा किया, लेकिन वे तेजी से निकल गए। इसके बाद धीरेंद्र शर्मा ने टीटी नगर थाने पहुंचकर शिकायत की।

आश्रम के लिए जमीन खरीदने के नाम पर 44 लाख रुपए की ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोलार क्षेत्र में हीलिंग थेरेपिस्ट से उनके ही कर्मचारी ने 44 लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ने आश्रम बनाने के लिए जमीन खरीदने के नाम पर रुपए लिए थे। कोलार पुलिस ने बताया कि योगेंद्र मिश्रा हीलिंग थैरेपी करते है। मूलत- पंजाब का रहने वाला प्रिंस गोयल नामक युवक उनके पास काम करता था। लबे समय से काम करने के कारण आरोपी भरोसेमंद बन गया था। योगेंद्र अश्रम के लिए जमीन की तलाश कर रहे थे। इसका फायदा उठाते हुए आरोपी प्रिंस गोयल ने योगेंद्र को एक आश्रम बनाने के लिए जमीन दिलवाने का झांसा दिया।

शबरी नगर में बंद कमरे में मिली बुजुर्ग की पुरानी लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित शबरी नगर में रविवार शाम एक बुजुर्ग की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। लाश करीब तीन चार दिन पुरानी होने के कारण डिकंपोज होने लगीड़थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार रवि चावला शबरी नगर में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को रविवार शाम सूचना देते हुए बताया कि उनके पड़ोस में 70 साल के प्रेम सिंह गुर्जर रहते थे। वे अकेले रहते थे। करीब तीन चार दिन से वह घर से बाहर नहीं निकले और उनके घर से बदबू आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह उनके कमरे का दरवाजा तोड़ा तो अंदर उनकी लाश पड़ी थी। अनुमान है कि बीमारी के कारण उनकी मौत हुई होगी। हालांकि पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

केन्द्रीय जेल के सामने तालाब में मिली युवक की लाश

इधर, केन्द्रीय जेल के सामने तालाब में रविवार सुबह अज्ञात युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। अनुमान लगाया जा रहा है कि तालाबनुमा गड्ढे में गिरने से मौत हुई है। मृतक की जेब से ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला जिससे पहचान की जा सके। उसकी शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल पंचनामा बनाकर शव को हमीदिया अस्पताल की मरचुरी में रखवा दिया गया है। एसआई कन्हैया यादव ने बताया कि मृतक की पहचान के लिए भोपाल व आसपास के जिलों के थानों से जानकारी ली जा रही है। सोशल मीडियो पर फोटो व जानकारी वायरल कर पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मृतक की उम्र 28 से 30 साल के आसपास बताई जा रही है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

मेट्रो एंकर नया कानून लागू, न्याय केंद्रित हैं तीनों नए आपराधिक कानून

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर मध्यप्रदेश पुलिस पूरी तरह तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

देशभर में आज 1 जुलाई से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो चुका है। नए कानूनों के लागू होने को लेकर मध्य प्रदेश पुलिस भी पूरी तरह तैयार है। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं को परिभाषित कर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है। नए कानून लागू होने से भारत की न्याय प्रणाली आईपीसी के तहत अंग्रेजों द्वारा बनाए गए औपनिवेशिक कानूनों से मुक्त हो चुकी है। इस संबंध में रविवार शाम पुलिस मुख्यालय में एडीजी लॉ एंड ऑर्डर जयदीप प्रसाद ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कानून दंड नहीं बल्कि न्याय केन्द्रित है। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर मध्य प्रदेश पुलिस ने भी तैयारी कर ली है। इस अवसर पर प्रदेश के सभी पुलिस थाना क्षेत्रों और जिला मुख्यालय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर नए कानूनों का क्रियान्वयन किया जाएगा। जिले के कार्यक्रम में वहां के पुलिस अधीक्षक, जनप्रतिनिधि सहित जिले के बुद्धिजीवी लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। कुछ स्थानों पर पुलिसकर्मियों ने ढोल-नगाड़े से भी स्वागत की तैयारी की है। उल्लेखनीय है कि नए कानूनों के संबंध में प्रदेशभर में 60 हजार से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है। उन्हें बदलावों के संबंध में बताया गया है। इसके अतिरिक्त सॉफ्टवेयर में किस तरह से एंट्री की जानी है, साक्ष्य कैसे एकत्र किए जाने हैं, इन सभी बिंदुओं के बारे में भी पुलिसकर्मियों को जानकारी दी गई है।

महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान: नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के लिए सख्त सजा के प्रावधान किए हैं। प्रस्तावित भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में पहला अध्याय अब महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध से संबंधित सजा के प्रावधानों से संबंधित है। इन प्रावधानों के अनुसार जहां बच्चों से अपराध करवाना व उन्हें आपराधिक कृत्य में शामिल करना दंडनीय अपराध होगा वहीं नाबालिग बच्चों की खरीद-फरोख्त जघन्य अपराधों में शामिल की जाएगी। नाबालिग से गैंगरेप किए जाने पर आजीवन कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान है। गैंगरेप में 20 साल की सजा और आजीवन कारावास, यौन संबंध के लिए झूठे वादे करना या पहचान छिपाना भी अब अपराध होगा। साथ ही पीड़िता के घर पर महिला अधिकारी की मौजूदगी में ही बयान दर्ज करने का भी प्रावधान है।

नए कानूनों में खास

अदालतों में पेश और स्वीकार्य साक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर, स्मार्टफोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, स्थानीय साक्ष्य, मेल, उपकरणों के मैजेस को शामिल किया गया है। केस डायरी, एफआईआर, आरोप पत्र और फैसले सहित सभी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड का कानूनी प्रभाव, वैधता और प्रवर्तनीयता कागजी रिकॉर्ड के समान ही होगी। अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये भी न्यायालयों में पेशी हो सकेगी। अब 60 दिन के भीतर आरोप तय होंगे और मुकदमा समाप्त होने के 45 दिन में निर्णय देना होगा। वहीं सिविल सेवकों के खिलाफ मामलों में 120 दिन में निर्णय अनिवार्य होगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत मामलों की तय समय में जांच, सुनवाई और बहस पूरी होने के 30 दिन के भीतर फैसला देने का प्रावधान है।

जंगल के पेड़ों पर छिपाई अवैध शराब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में अवैध शराब सप्लाई करने वाले एजेंट तरह-तरह के हथकंडे इस्तेमाल कर रहे हैं। आबकारी विभाग की कार्रवाई से बचने के लिए ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब बनाकर इसे शहर के आसपास लाकर जंगलों में छुपाया जा रहा है। सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा को यह सूचना मिलने के बाद इसकी पुष्टि आबकारी कंट्रोलर रामगोपाल भदोरिया की टीम से करवाई गई। सूचना मिली थी कि आरोपियों ने भदभदा और प्रेमपुरा, अमोनी, बालमपुर के आसपास शहरी सीमा से सटे हुए जंगलों में बड़ी मात्रा में अवैध शराब छिपाई हुई है। सूचना की तस्दीक होने के बाद टीम ने इन इलाकों के जंगलों में छापेमार कार्रवाई की। मौके पर मौजूद पेड़ की ऊपरी टहनियों पर रस्सियों से बांधकर आरोपियों ने प्लास्टिक के कैन छिपाए हुए थे। इनमें लगभग 1000 लीटर अवैध शराब भरी हुई थी। मौके पर अवैध शराब की जब्ती करने के बाद टीम ने इसे नष्ट किया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की सहायता से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

NATIONAL HOSPITAL
Owned by professionals, Run by professionals...
TRUSTED MULTISPECIALITY HOSPITAL
Serving since 18 years

Most advanced Cardiac services *First in Central India & Only in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — (Cath Lab fully integrated with FFR/iFR/IVUS/OCT/ ACR/ Rotablator/ IVL...)
ICU with most advanced monitoring *Only in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — Cerebral Oximetry, BIS, NMT, EEG, Non Invasive CO2
Robust Infection Control Practices *First in Madhya Pradesh & Only in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — ICU with HVAC, HEPA filters & Negative Pressure Isolation in all cubicles
Most advanced LASER - 120W Holmium *First in South East Asia & Only in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — For Stones & Prostate
ALL beds with Ventilator & Oxygen facility *Only in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — Embeded Non-Invasive, Invasive & Hi flow modes- Sweden made best in class
ALL beds with bedside & central monitoring *Only in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — Philips Central Monitoring System
Mobile monitoring *First in Madhya Pradesh & Only in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — Live Monitoring on mobile from anywhere in the world
Emergency Cardiac services 24x7 in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — Emergency Primary Angioplasty
Neuro services 24x7 in NATIONAL HOSPITAL in Bhopal — Emergency Stroke/ Paralysis Treatment

ADVANCED SERVICES
CARDIAC FACILITIES
• Angiography • Angioplasty (PTCA) • Fractional Flow Reserve (FFR) • Intravascular Ultrasound (IVUS) • Optical Coherence Tomography (OCT) • Rotablator • Intra Vascular Lithotripsy (IVL) • Bypass Surgery (CABG) & Valve replacement
PROCEDURES PERFORMED
• Image (IVUS/OCT) guided procedures • Complex PTCA (LM, Bifurcation, CTO etc) • Complex Angioplasty as an alternative to CABG where ever possible • High Risk Angioplasty on IABP • Primary Angioplasty • IVL • Rotablation • Device implantation (Pacemaker/ AICD/ CRT)
NEURO
• Stroke Thrombolysis • DSA • Mechanical Thrombectomy • Aneurysm Coiling / Clipping • Neurosurgery • Microscopic Neurosurgery • Microscopic Spinal Surgery
INTERVENTIONS Integrated Cath Lab for
• Interventional Cardiology • Neuro-interventions • Interventional Radiology
CARE UNITS
• Critical Care Unit • Cardiac Intensive Care Unit (ICU) • STROKE unit
SURGERIES
• Laparoscopic Surgery • Endoscopic Surgery • LASER Surgery • Microscopic Surgery

DEPARTMENTS
SPECIALITIES
• Medicine • General Surgery • Gynecology • Orthopedics & • Joint Replacement • Nutrition & Dietetics
SUPERSPECIALITIES
• Cardiology • Neurology • Gastroenterology • Pulmonology • Nephrology • Endocrinology
SUPERSPECIALITY SURGERY
• Cardiothoracic Surgery • Neuro Surgery • Spine Surgery • GI Surgery • Urology • Cancer Surgery • Plastic Surgery
HEALTH CHECK-UP
• Customised Health Checks • Corporate Health Checks • Pre-employment Health Checks
ANCILLARY SERVICES
• Pharmacy (24x7) • Canteen • Ambulance

DIAGNOSTICS
RADIOLOGY
• CT Scan • Sonography & Color Doppler • Sonomammography • Digital X-Ray
PATHOLOGY
• Hematology & Serology • Biochemistry
CARDIOLOGY
• ECG • Color Doppler Echo • Transesophageal Echo • Tread Mill Test (TMT) • Dobutamine Stress Echo • Holter Monitoring • Ambulatory BP Monitoring
PULMONOLOGY
• Spirometry • PFT with DLCO • Bronchoscopy • ABG
GASTROENTEROLOGY
• Upper GI Endoscopy • Colonoscopy • Enteroscopy • EUS • ERCP
UROLOGY
• Uroflowmetry • Cystoscopy

CASHLESS EMPANELMENTS
PSUs & Corporates
• Airports Authority of India • GAIL • MSTC Ltd. • NFL • REC • Reliance Industries • Bharat Petroleum • Indian Oil • Nabard • NHDC Ltd. • RBI and many more...
INSURANCE COMPANY
• Aditya Birla • Cholamandalam MS • Go Digit • HDFC ERGO • ICICI Lombard • IFFCO-TOKIO General • Liberty General • Navi • Reliance General • Reliance Health • SBI General
TPA
• East West Assist • Ericson Insurance • Family Health • Good Health • Health India • Health Insurance • Medsave • Raksha • Safeway • Vidal • Vipul Medicorp
*Conditions apply

For Enquiries 810 909 0919
NATIONAL HOSPITAL
E-3/61, Arera Colony, Bhopal 462016
Tel: +91 755 2440004/5/6/7/8 E-mail: info@nhbhopal.com

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022